वर्षः- 05
अंकः- 341
मुरादाबाद
(Monday)
06 April 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी ने ईस्टर पर दी शुभकामनाएं;देशवासियों से की अपील

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री मोदी ने ईस्टर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने प्रेम, आशा, भाईचारे और समाज में एकता की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया।

देश के सर्वोच्च नागरिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ईस्टर के पावन अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अपने संदेश में कहा ईस्टर की शुभकामनाएं सभी को, खासकर हमारे ईसाई भाइयों और बहनों को! यीशु मसीह के पुनरुत्थान का यह पवित्र पर्व प्रेम, आशा और वैश्विक भाईचारे की भावना को बढ़ावा देता है। यीशु मसीह की शिक्षाएं हमें शांति और सामंजस्य के मार्ग पर ले जाएं।%ईस्टर का दिन है आशा और नवीनीकरण का प्रतीक%- प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा ईस्टर की शुभकामनाएं। यह पवित्र दिन आशा और नवीनीकरण का प्रतीक है। यह सभी के जीवन में शांति, आनंद और उजाला लाए। पीएम मोदी ने आगे कहा कि यीशु मसीह की शिक्षाएं सभी को दयालु और सहयोगी बनने के लिए प्रेरित करें और समाज में एकता की भावना मजबूत करें। ईस्टर, यीशु मसीह के मृतकों से पुनरुत्थान की याद दिलाता है और यह पूरे विश्व में आशा, प्यार और नई शुरुआत का संदेश देता है।पीएम मोदी ने जगजीवन राम को उनकी जयंती पर दी श्रद्धांजलि- गप्रधानमंत्री मोदी ने इसके अलावा पूर्व उपप्रधानमंत्री और दलित नेता जगजीवन राम की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि जगजीवन राम का देश के प्रति अमूल्य योगदान हमेशा याद रखा जाएगा।

पीएम मोदी ने ट्वीट किया

पूर्व उपप्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम जी को उनकी जयंती पर मेरी विनम्र श्रद्धांजलि। उन्होंने अपने जीवन को समानता और सामाजिक न्याय के उद्देश्य को समर्पित किया।% बिहार के रहने वाले जगजीवन राम अपनी प्रशासनिक क्षमता और 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान केंद्रीय रक्षा मंत्री के रूप में योगदान के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने आपातकाल के विरोध में कांग्रेस छोड़ दी थी।

हिमंता बिस्व सरमा को नहीं बख्शेंगे, सत्ता में आते ही भेजेंगे जेल, असम सीएम को राहुल गांधी की चेतावनी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने असम में मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सत्ता में आने पर सरमा को जेल भेजा जाएगा और माफी मांगने पर भी उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

असम के बिस्वनाथ में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भाजपा की केंद्र सरकार और राज्य के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पर कड़ा हमला किया। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने राज्य की राजनीति में बाहरी दखल का आरोप लगाते हुए कहा कि असम की कमान असल में दिल्ली के हाथों में है। उन्होंने भ्रष्टाचार और महिला सुरक्षा के मुद्दों पर भी सरकार को जमकर घेरा। राहुल गांधी ने स्पष्ट संकेत दिए कि आने वाले समय में कांग्रेस इन मुद्दों को लेकर संघर्ष और तेज करेगी।सत्ता में आते ही भेजेंगे जेल- राहुल गांधी- असम की रैली में बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप, नरेंद्र मोदी को कंट्रोल करते हैं और नरेंद्र मोदी व अमित शाह आपके मुख्यमंत्री को कंट्रोल कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि असम की सरकार को मुख्यमंत्री नहीं, बल्कि दिल्ली से अमित शाह चला रहे हैं। राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा पर व्यक्तिगत हमला करते हुए कहा कि उन्होंने अपने परिवार को भ्रष्टाचार में शामिल करके बड़ी गलती की है। अब उनके परिवार को भी आरोपों का सामना करना पड़ेगा और कांग्रेस सत्ता में आने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी। राहुल गांधी ने कहा कि हिमंता बिस्वा सरमा को माफी मांगने पर भी नहीं छोड़ेंगे और जेल भेजकर दम लेंगे। चुनावी सभा के साथ-साथ राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर भी केंद्र सरकार के वन स्टॉप सेंटर की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हिंसा से पीड़ित महिलाओं की मदद के लिए बनाए गए ये केंद्र अपनी जिम्मेदारी निभाने में नाकाम रहे हैं। राहुल गांधी का दावा है कि मोदी सरकार इस मामले में किसी की बात सुनने को तैयार नहीं है। उन्होंने सुरक्षा को सरकार की बुनियादी जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि पीड़ित महिलाएं मदद के लिए भटक रही हैं लेकिन सरकार ने उनके लिए दरवाजे बंद कर रखे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने संसद में भी वन स्टॉप सेंटर की बदहाली का मुद्दा उठाया था। उन्होंने पूछा था कि इन सेंटरों में ताले क्यों लगे हैं और वहां स्टाफ की कमी क्यों है। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए सरकार से सवाल किया कि आखिर पांच में से तीन महिलाओं तक मदद क्यों नहीं पहुंच पा रही है। राहुल ने बजट के कम इस्तेमाल और देशभर से आ रही शिकायतों पर सरकार की चुप्पी पर भी नाराजगी जताई। उन्होंने सरकार से पिछले पांच वर्षों में खुले नए सेंटरों और वहां खाली पड़े पदों का ब्यौरा मांगा। सरकार की ओर से महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने राहुल गांधी के सवालों का लिखित जवाब दिया। उन्होंने बताया कि मिशन शक्ति के तहत ये सेंटर महिलाओं को चिकित्सा और कानूनी मदद मुहैया कराते हैं। सरकार के मुताबिक, साल 2015 से अब तक करीब 13.37 लाख महिलाओं की सहायता की गई है। मंत्री ने कहा कि इन सेंटरों को चलाने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है और नीति आयोग ने इस योजना के प्रदर्शन को संतोषजनक माना है। हालांकि राहुल गांधी ने सरकार के इन दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

लोकसभा-विधानसभा सीटों की बढ़ोतरी पर रार: केवल ध्यान भटकाने की चाल; कांग्रेस ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

कांग्रेस ने लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या बढ़ाने के प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्ताव को जनता का ध्यान भटकाने का हथियार बताया है। पार्टी का कहना है कि इससे बड़े राज्यों को लाभ होगा और छोटे राज्यों का प्रभाव कम होगा।कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या बढ़ाने के प्रस्ताव पर तीखा हमला बोला है। पार्टी का कहना है कि यह कदम बड़े और अधिक आबादी वाले राज्यों को लाभ पहुंचाएगा और यह कुछ और नहीं बल्कि जनता का ध्यान भटकाने का एक हथियार है। विपक्षी दल ने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री देश की जनता को धोखा दे रहे हैं और भ्रामक बयान दे रहे हैं।जनता का ध्यान भटकाने की चाल- कांग्रेस के संचार प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा प्रधानमंत्री अपने पुराने पैंतरे पर हैं, भ्रामक बयान दे रहे हैं जिनका मकसद धोखा देना है। वह कहते हैं कि यदि लोकसभा की ताकत 50त्न बढ़ाई जाती है और प्रत्येक राज्य की लोकसभा सीटों की संख्या भी 50त्न बढ़ाई जाती है, तो दक्षिण भारतीय राज्यों को कोई नुकसान नहीं होगा।%रमेश ने आगे कहा यह देश की जनता को धोखा देना है, जिसमें प्रधानमंत्री को महारत हासिल है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश और केरल के बीच लोकसभा सीटों का अंतर अभी 60 है, जो मोदी के प्रस्ताव से बढ़कर 90 हो जाएगा।

उस समय का माफिया था सालार मसूद, सीएम योगी बोले- आज जो मिट्टी में मिले इनके जैसा ही काम करता था वो

लखनऊ में सीएम योगी ने भारतेंदु नाट्य अकादमी के भवन एवं प्रेक्षागृहों का लोकार्पण किया।

साथ ही कलाकारों के नाट्य मंचन को देखा।राजधानी लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ ने सैयद सालार मसूद गाजी के लिए शॉफ्ट कार्नर रखने को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने आज के माफियाराज को उसी का अंदाज बताया। कहा कि आज जो मिट्टी में मिले हैं, वो उसी विचारधारा से आते हैं।सीएम योगी ने रविवार को भारतेंदु नाट्य अकादमी के संपूर्ण भवन एवं दो प्रेक्षागृहों का लोकार्पण किया। 22 करोड़ की लागत से इनका जीर्णोद्धार कराया गया है। इस मौके पर सीएम ने कलाविदों, पूर्व छात्रों को सम्मानित किया। साथ ही रंगभेद पत्रिका का विमोचन एवं स्वर्ण जयंती नाट्य समारोह का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में कलाकारों ने सीएम के सामने नाटक की प्रस्तुति दी। बीएनए का स्वर्ण जयंती समारोह- दरअसल, गोमती नगर स्थित भारतेंदु नाट्य अकादमी का स्वर्ण जयंती समारोह मनाया जा रहा है। अकादमी के 50 वर्ष पूरे होने पर आठ दिवसीय कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। इसमें देशभर से कलाकार पहुंचे हैं। रविवार को पहले दिन सीएम योगी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस मौके पर 15 कलाकारों को सम्मानित भी किया। साथ ही नाटक %आनंद मठ% समेत अन्य नाट्य मंचनों को देखा। जब लॉकडाउन लगा सरकार लोगों के साथ खड़ी मिली- इस मौके पर सीएम ने कहा कि कोरोना से लोगों के बचाव के लिए लॉकडाउन लगा। कामगार जब घरों को लौटे तब सरकार उनके साथ खड़ी। उनको न सिर्फ घर पहुंचाया बल्कि उन्हें निशुल्क राशन भी उपलब्ध कराया। जब सरकार संवेदनशील नहीं होती तब वैसी स्थिति होती है, जैसा हमने आनंद मठ नाटक की प्रस्तुति में देखा। भारतेंदु हरिश्चंद्र के नाटक का जिक्र किया सीएम ने आगे कहा कि आज सिनेमा अच्छा प्रस्तुत करने का प्रयास कर रहा है। समाज भी उसे इसी तरह से ले रहा है। अब सबसे प्रचलित रामायण कार्यक्रम हुआ। यह समाज की संस्कृति को दर्शाता है। सीएम ने वाराणसी में भारतेंदु हरिश्चंद्र पर देखे नाटक का भी जिक्र किया। स्कूल कॉलेजों में महारानी लक्ष्मीबाई के नाटक का मंचन हो, महाराजा सुहेलदेव की कहानी को दिखाया जाए तो बच्चे सीखेंगे। महाराज सुहेलदेव ने सालार मसूद को दर्दनाक मौत दी- उन्होंने कहा कि जहां सालार मसूद को मारा गया था। वहां उसके नाम से मेला लगता था, लेकिन महाराजा सुहेलदेव का नाम कोई नहीं लेता था। भारतीय समाज ने उन्हें भुला दिया था। एक हजार साल बाद पीएम मोदी ने उन्हें सम्मान दिलाया। हमारी सरकार ने वहां उनके नाम पर आयोजन शुरू किए। आज सालार मसूद के मेले से ज्यादा भीड़ वहां जुटती है। सीएम ने कहा कि सालार मसूद माफिया से कम नहीं था। अभी जो माफिया मिट्टी में मिले हैं, वो उसी विचारधारा से आते हैं। उसने हमारे मंदिर तोड़े थे। महाराज सुहेल देव ने सालार मसूद को मारकर जनता को दासता से मुक्त कराया था। ऐसे नायकों पर नाटक तैयार करने चाहिए और उनका मंचन स्कूलों और कॉलेजों में होना चाहिए ताकि आज की पीढ़ी उनके बारे में जानें। उन्होंने आगे कहा कि वोट बैंक में फर्क न पड़े, इसलिए लोग बिजली पासी का नाम नहीं लेंगे। लक्ष्मीबाई का नाम नहीं लेते हैं।

BJP-चुनाव आयोग पर भड़कीं ममता: EVM बदलने की जताई आशंका, कहा- अगर मशीन खराब हो तो बदलवाओ

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनावी प्रक्रिया को लेकर ईवीएम की सुरक्षा पर चिंता जताई। उन्होंने बूथ एजेंटों और कार्यकर्ताओं से कहा कि वे मतदान से पहले और बाद में मशीनों की अच्छी तरह जांच करें और 24 घंटे निगरानी बनाए रखें।पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को चुनावी सभा में मतदाताओं से अपील की कि वे वोट के जरिए बदला लेने की अपील की है। उन्होंने आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान कई लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। इसके अलावा उन्होंने भवानीपुर में एक रैली में अपनी कार्यकर्ताओं से ईवीएम की निगरानी करने के लिए कहा है। रविवार को समसेरगंज में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि जिन लोगों के नाम सूची से हटे हैं, वे ट्रिब्यूनल में अपील करें और मतदान के जरिए इसका जवाब दें। उन्होंने कहा, ऐसा वोट करें कि नतीजे ही बता दें कि नाम हटाने की राजनीति स्वीकार नहीं है। ममता बनर्जी ने बिना नाम लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राज्य में मतदाताओं के नाम हटाने के पीछे उनकी भूमिका है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा, अगर हिम्मत है तो सीधे मुकाबला करें।चुनावी सतर्कता और ईवीएम पर बयान- मुख्यमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं से 4 मई तक पूरी सतर्कता बरतने को कहा। उन्होंने यह भी आशंका जताई कि कुछ जगहों पर ईवीएम मशीनें खराब कराई जा सकती हैं। ऐसे में उन्होंने निर्देश दिया कि मशीनों की मरम्मत न होने दें, बल्कि उन्हें बदलने की मांग करें। ममता बनर्जी ने कहा, सभी ईवीएम मशीनों की अच्छी तरह से जांच करें। बूथ एजेंटों को भी ईवीएम की अच्छी तरह से जांच करनी चाहिए... मुझे उनकी योजना पता है... वोटिंग के बाद, सीआरपीएफ और केंद्रीय बलों की निगरानी में, वे अंदर जाकर मशीन बदल सकते हैं, इसलिए हमें 24 घंटे निगरानी रखनी होगी। आपको ध्यान से देखना होगा कि वे ईवीएम को हैक न कर लें। वक्फ कानून और हिंसा का जिक्र- मुर्शिदाबाद जिले के समसेरगंज, जो 2025 में वक्फ बिल के विरोध में हिंसा का केंद्र रहा था, वहां ममता ने कहा कि उनकी सरकार ने हमेशा मुस्लिम समुदाय के हितों की रक्षा की है। उन्होंने भाजपा पर उनके खिलाफ झूठ फैलाने का आरोप लगाया। चुनाव आयोग पर भी उठाए सवाल- मुख्यमंत्री ने निर्वाचन आयोग पर भी निशाना साधते हुए कहा कि एसआईआर के नाम पर कुछ लोगों के नाम हटाए जा रहे हैं और कुछ को डराया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि 2024 के लोकसभा चुनाव वाली मतदाता सूची से ही विधानसभा चुनाव क्यों नहीं कराए जा सकते थे। ममता बनर्जी ने साफ कहा कि उनकी सरकार एनआरसी के नाम पर किसी भी तरह के डिटेंशन सेंटर नहीं बनने देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी वजह से उनके खिलाफ बदले की राजनीति की जा रही है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में होंगे, जबकि मतगणना 4 मई को होगी।

संपादकीय Editorial

The War Will Continue

President Trump, in his address to the United States, concluded that the war against Iran will continue. A massive attack will be launched on Iran in the next two to three weeks. We will soon achieve our goals. The victory we are achieving is unlike anything the world has ever seen! President Trump once again reiterated the old adage: "We have destroyed Iran's air force, navy, missile, and drone capabilities. We have even destroyed its nuclear facilities. Now Iran cannot build a nuclear bomb. All of Iran's top leaders have been killed. If Iran had built a nuclear bomb, it would have been a death knell for the United States and Israel! In fact, I am correcting the mistakes made by previous presidents." In this context, President Trump revealed that World War II lasted more than three years and eight months, and the Vietnam War lasted more than 19 years. Only 32-33 days have passed since the Iran War, and we have almost accomplished our goals. President Trump also reiterated that America is very close to ending the war. Our economy is in good shape. America is number one in gas production. We do not need the Strait of Hormuz for oil. Those who are short of oil and gas and need it should go to Hormuz themselves. However, they should buy oil from us, because America has plenty of crude oil. However, President Trump summarized his national address by stating that the war against Iran will continue. It is noteworthy that the US has already spent approximately ?350 lakh crore (approximately ?19 lakh crore) on the Iran war and has requested an additional budget of ?200 billion (approximately ?19 lakh crore), but the US Congress is currently unwilling to approve it. America's average daily expenditure on the war is ?94 billion. Petrol prices in the US have reached ?4.06 per gallon, causing an outcry because this increase is unprecedented. The inflation rate in Iran is 50.6 percent. This is unimaginable. Grain prices have risen 140 percent, and dairy products 117 percent. A kilogram of rice costs 2 million riyals, and lentils 3.5 million riyals. The prices of all everyday commodities are skyrocketing. The availability of goods is questionable. Does President Trump have no global concerns? Israel's economy is in ruins. It's a small country with a population of 12 million. Israel has to spend $1.6 billion every week. Now, the public has taken to the streets against Prime Minister Netanyahu. In India, approximately 5.5 million Indians have had to leave the Gulf countries and return to India. Dubai's reputation as a highly secure country has also been shattered. More than half of the Indians have returned from Gulf countries. This will lead to a new economic crisis. The bodies of 20 Indians have been brought from Kuwait to Kochi International Airport in Kerala. They were victims of war and accidents. This disclosure was made by the Secretary (Gulf) of the Ministry of External Affairs. Have the Indians who returned home become unemployed, or will they be forced to work in India for meager wages? If we consider the shortage of cooking gas (LPG), the Indian government and oil companies will incur a total loss of ?40,484 crore by May 2026. Losses related to oil, LNG, PNG, and fertilizers are separate. Eighteen of our ships are still stranded on the Strait of Hormuz. If India's trade deal with Iran has been renewed and Iran has sent a ship carrying 600,000 barrels of crude oil to India, then India's own ships should also be allowed to pass. However, President Trump's address was full of half-truths and false claims. The very issues on which the US and Israel attacked Iran still exist today. The nuclear program is still alive and active, the regime is still Khamenei's Islamic one, and Iran controls Hormuz, so why was the attack launched?

Bengaluru's tragedy raises questions about the system: Is suicide the only solution?

This incident isn't just the tragedy of one family. It's a systemic failure. It shows that our society still doesn't take mental health seriously. For physical illness, we rush to the hospital, take medication, and take leave. But we consider worry, depression, and anxiety to be a "mindset" or a "weakness." "Have courage," "Everything will be fine." Bengaluru, known as India's IT capital, has been shaken in the past 24 hours by an incident that is not only heartbreaking but also compelling for society. On March 31, 2026, a young tech couple committed suicide in a high-rise apartment in the Kothanur area. Husband Bhanuchandra Reddy (32) and wife Bibi Shazia Siraj (31) were software engineers, both earning well. With experience in the US, they had moved to Bengaluru. An annual salary of ?80 lakh, a house in the US, five years of marriage, and no children. Outwardly, they possessed everything considered the definition of success. But deep inside? Just one worry: losing their job. Bhanuchandra Reddy worked in the US. He was laid off due to AI (Artificial Intelligence), and lost his job. Returning to India, he searched for another job, but was unsuccessful. The anxiety grew. His health also became a concern. His suicide note included, "Job worries and increasing stress." His wife, Shazia, was working at a new job at IBM. When she returned from her night shift at 7:30 a.m., she found her husband's room locked from the inside. Security guards broke down the door, and Bhanuchandra was hanging. Shazia stood there for 20 minutes, observing everything. Then, she quietly took the elevator to the 18th floor and jumped. This incident isn't just a family tragedy. It's a systemic failure. It shows that our society still doesn't take mental health seriously. In case of physical illness, we rush to the hospital, take medication, and take leave. But we consider worry, depression, and anxiety to be a 'mindset' or a 'weakness'. "Have courage," "Everything will be fine," and "What will you say to others?" are the first words we hear today. The result? Young people like Bhanuchandra, who lost their jobs to AI and became anxious, and wives like Shazia, who couldn't bear the sudden death of their husband. Statistically, the suicide figures in India are alarming. According to the National Crime Records Bureau (NCRB), there were 171,418 suicides in 2023. The rate per lakh population has reached over 12.4. The IT sector has seen over 227 reported suicide cases from 2017 to 2025. This figure is rising among young professionals, especially those aged 25-40, who face job uncertainty, layoffs due to AI, performance pressure, and the burden of loan and EMI payments. Such cases are reported every month in cities like Bengaluru, Hyderabad, and Pune. Yet, we remain silent. The problem isn't just job loss. The problem is the silence that refuses to acknowledge mental illness. The National Mental Health Survey reveals that 80 percent of people don't seek treatment for mental illness. The reasons? Stigma, lack of awareness, and a lack of facilities. The number of psychiatrists in India is extremely low, with only 0.75 psychiatrists per lakh population. District-level psychological clinics are minimal. The National Mental Health Program (NMHP) has been running since 1982, but its reach hasn't reached villages and towns. Sessions in private hospitals are expensive, costing 1500-3000 rupees for an hour of counseling, a burden for the middle class. The question now is: will we learn from this tragedy? Will we start treating mental health like physical health? The answer must be yes. We need a strong psychological ecosystem, just like the network of general hospitals. To achieve this, we need to take some drastic steps. The government should establish at least one full-time mental health center in every district, staffed by psychiatrists, psychologists, counselors, and social workers. OPDs should be free or very affordable. Tele-mental health services should be strengthened to ensure access in rural areas. Mental health insurance should be made mandatory in schemes like Ayushman Bharat. The corporate sector must also take initiative. IT companies, where layoffs are the most common, should mandate Employee Assistance Programs (EAPs). Every employee should receive at least four free counseling sessions per year. Outplacement support should be provided along with psychological support during layoffs. In light of AI layoffs, mental resilience training should be made mandatory along with skill retraining. Mental health education should be mandatory at the school and college level. Everyone from children to the elderly should understand the principle, "If you have depression, go to the doctor." The media must also fulfill its responsibility. Report suicides sensitively, without exaggerating them. Families should foster an environment for open discussion. We must understand that mental illness is not a "sin" or a "weakness." Diabetes is a disease, insulin is taken, and heart attacks are treated with stents. So why don't people seek treatment for anxiety or depression? Only when we accept that mental illness is like any other illness will people feel free to seek expert help. Instead of silently drowning in worry like Bhanuchandra, they will be able to seek help in time. Unlike Shazia, women won't have to bear the shock of their husband's sudden death alone. This change is not easy. It will require the government, the private sector, NGOs, and ordinary citizens to come together. But if we don't change today, tomorrow many more Bhanuchandras and Shazia will leave us. This incident in Bengaluru is not just a warning, but a call to action. Our youth are the strength of our country. They are progressing in IT, startups, and engineering. But if their mental health is neglected, this strength will be weakened. Prioritizing mental health is no longer a luxury, but a national necessity. When we establish a network of mental health centers like hospitals, when counselors are available in every village and city, and when the stigma surrounding it is removed, only then will such tragedies be reduced. Let us begin this change in the memory of Bhanuchandra and Shazia. Because they were not just a couple. They represented thousands of young people who still silently struggle with anxiety. The time has come to recognize physical and mental health as two sides of the same coin. Only then will we be able to build a healthy, empowered India.

Second Aspect: When and How Plants Came to Earth The story of plants begins with water.

Until about 500 million years ago, the Earth's surface was covered with barren rocks and soil. There were no trees, grass, or flowers. Scientists believe that about 470 million years ago, plants evolved from green algae. These grew in shallow water or on seashores. Gradually, plant roots began to break down rocks, and the minerals they released made the barren soil fertile. Then, 360 million years ago, vast forests grew. This was followed by the evolution of seeds. Long before dinosaurs walked the Earth, the Earth was not what it is today. Until about 500 million years ago, most of the Earth's surface was covered with barren rocks and dry soil. There were no trees, grass, or flowers. Life was almost entirely confined to the oceans. Then, a miraculous event occurred, and plants were born on Earth, changing the course of the planet. The story of plants begins with water. The earliest plants resembled the tiny, green organisms we know today as algae. They made their own food using sunlight, water, and carbon dioxide. This process is called photosynthesis. Scientists believe that true plants evolved from green algae about 470 million years ago. These early plants grew in shallow water or on seashores, sometimes submerged and sometimes exposed to air. These conditions gradually prepared them for life on land. But on land, they faced many difficult challenges: how to avoid drying out? How to stand upright? And how to obtain water and nutrients from dry soil. To address these challenges, plants underwent several significant changes. They developed a waxy layer (cuticle) to reduce water loss. They developed strong cell walls, allowing them to stand upright. They also developed simple root-like structures (rhizoids) that anchored them to the ground and helped them absorb water and minerals. Gradually, plant roots began to break down rocks, and the minerals they released made barren soil fertile. Plants also increased oxygen in the atmosphere, purifying the air and making breathing easier. About 420 million years ago, plants developed vascular tissue—tiny tubes that transported water and nutrients throughout the plant. This made plants taller and stronger. This was followed by the evolution of seeds, about 380 million years ago. Seeds protected plant embryos and helped them survive harsh conditions. Then, about 140 million years ago, flowering plants (angiosperms) emerged. Flowers attracted insects and birds, making pollination easier. The trees, grasses, fruits, and vegetables we see today are the result of this evolution. And plants are the real heroes of this change. - The Conversation

OpenAI's $122 billion fundraise: A defining moment or a new kind of illusion?

At first glance, the $122 billion figure suggests tremendous investor confidence. However, the structure of this capital tells a different story. OpenAI's announcement of a $122 billion fundraise has naturally attracted global attention. It is being described as the largest private capital raising in history—a turning point not only for artificial intelligence, but for the future of technology itself. But beneath this big headline figure lies a more complex and less celebratory reality. This isn't just a story of capital flowing into innovation. It's a story of how capital, infrastructure, and strategic control are increasingly coming together within a tightly knit ecosystem. The illusion of scale—At first glance, the $122 billion figure suggests tremendous investor confidence. However, the structure of this capital tells a different story. A large portion of this funding is reportedly backed by a handful of large players—such as Amazon, Nvidia, and SoftBank. These are not passive financial investors in the traditional sense. They are deeply embedded in the infrastructure stack that powers AI itself. This is significant. This means that capital is not flowing from independent investors into a neutral innovation pipeline. Instead, it is being deployed by institutions that already control the key inputs to the AI ??economy—cloud computing, semiconductor hardware, and structured finance. The Rise of Circular Capital—What emerges from this structure is a model that can best be described as "circular funding." Unlike traditional venture capital—where money flows directly (linearly) from investor to company, generating returns through growth—this ecosystem recycles capital within itself. For example: Cloud providers reap value through increased utilization of their own infrastructure. Chip manufacturers benefit from growing demand for high-performance GPUs.Financial backers structure investments that are tied to future milestones or liquidity events. In effect, operating expenses themselves become a source of revenue for investors.

इंटर तक के सरकारी स्कूलों में हर 19 वां छात्र बीमार, आंखें कमजोर, दांतों में लग रहे हैं कीड़े

मुरादाबाद के स्कूलों में 1.30 लाख से अधिक बच्चों की जांच में हर 19वां छात्र बीमार पाया गया। ज्यादातर बच्चों में आंखों की कमजोरी, दांतों में कीड़े, त्वचा रोग, कान बहना और खून की कमी जैसी समस्याएं सामने आईं।मुरादाबाद जिले के सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूल-कॉलेजों में पढ़ने वाले बच्चों की सेहत जांच में खराब मिली है। किसी की आंखें कमजोर हैं तो किसी के दांतों में कीड़े लगने लगे हैं।

कोई त्वचा रोग से परेशान है तो किसी को कान बहने की शिकायत है। इसका खुलासा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत 1511 स्कूलों में कराए गए स्वास्थ्य परीक्षण में हुआ है।जहां 1,30,779 बच्चों की जांच में हर 19वां बीमार मिला। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसके तहत जिले के सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूल-कॉलेजों के छात्र-छात्राओं का साल में एक बार स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है। इसके लिए 19 टीमें बनाई गई हैं।अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 तक जिले के 1511 स्कूलों में टीमें पहुंचीं। इन स्कूलों में 1,30,779 बच्चों की सेहत की जांच की गई। इनमें 6844 बच्चे बीमार पाए गए। इनमें आधे से ज्यादा बच्चों में आंखें कमजोर होने, दांतों में कीड़े लगने, शरीर में दाने व खुजली होने, कान बहने की शिकायत रही। इसके अलावा बच्चों में खून की कमी भी पाई गई। हर ब्लॉक में डॉक्टरों की दो टीमें- आरबीएसके के तहत स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए 19 टीमें बनाई गई हैं। आठ ब्लॉकों में 16 टीमें लगाई गई हैं। जबकि तीन टीमें शहरी क्षेत्र में काम करती हैं। एक टीम में एक डॉक्टर और दो पैरामेडिकल स्टाफ होता है। 2348 बच्चों को डीआईसी किया गया रेफर- डॉक्टरों की टीमों ने 1,30,779 स्कूली बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इनमें बीमार मिले 6844 बच्चों को इलाज के लिए सीएचसी-पीएचसी भेजा गया। यहां 2384 बच्चों को इलाज के लिए डीआईसी (डिस्ट्रिक्ट अर्ली इंटरवेंशन सेंटर) रेफर कर दिया गया। जांच में 102 बच्चे मिले सर्जरी के लिए- मुरादाबाद। डॉक्टरों की जांच में 102 बच्चे ऐसे में मिले जिन्हें सर्जरी के लिए चिह्नित किया गया। इन बच्चों में कटे होंठ व तालू, टेढ़े पैर, दिल की बीमारी, न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट आदि की शिकायत रही। इनमें से 75 बच्चों का प्रदेश अलग-अलग अस्पतालों में सर्जरी करा दी गई है। 27 बच्चों की सर्जरी प्रक्रिया चल रही है। आरबीएसके के तहत स्कूली बच्चों की जांच कराई जाती है। जो बच्चे बीमार मिलते हैं उनका सीएचसी-पीएचसी और डीईआईसी में इलाज कराया जाता है। सर्जरी वाले चिह्नित बच्चों को निजी अस्पताल और सरकारी मेडिकल कॉलेज में भेजा जाता है। - डॉ. प्रवीण श्रीवास्तव, नोडल आरबीएसके, बच्चों की इम्युनिटी कमजोर होती है। इससे उन्हें बीमारी जल्दी घेर लेती है। इसके अलावा खानपान की कमी और साफ-सफाई का अभाव भी बीमारी के कारण बनते हैं। - डॉ. बीर सिंह, बाल रोग विशेषज्ञ, जिला अस्पताल

रूस से ताबूत में आया युवक का शव, गमगीन माहौल के बीच किया सुपुर्द खाक

मसवासी । रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान गोली लगने से जान गंवाने वाले मसवासी क्षेत्र के युवक का शव शनिवार दोपहर जैसे ही सीतारामपुर गांव पहुंचा तो कोहराम मच गया और हर आंख नम हो गई। मसवासी क्षेत्र के गांव सीतारामपुर के मजरा फतेहगंज निवासी दूल्हा हसन का पुत्र शावेद(22) करीब दस माह पहले पर्यटक वीजा पर रूस गया था। जहां उसे एक होटल में वेटर की नौकरी करनी थी। लेकिन वह सेना में भर्ती हो गया और रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते उसे मोर्चे पर तैनात कर दिया गया। परिजनों ने बताया कि 12 सितंबर 2025 को यूक्रेन के एक लड़ाकू विमान के मिशन के दौरान उसे गोली लग गई, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना परिजनों को गुरुवार देर शाम मिली। शनिवार तड़के उसका शव दिल्ली एयरपोर्ट लाया गया, जहां से परिजन उसे लेकर गांव पहुंचे। शव को देखते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। शनिवार दोपहर जैसे ही शव गांव पहुंचा, माहौल गमगीन हो गया। दूर-दराज के गांवों से भी लोग अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे। नम आंखों के बीच युवक के जनाजे को गांव के कब्रिस्तान में सुपुर्द ए खाक किया गया। विदेश मंत्रालय के दखल से मिला शव- रूसी सेना में शामिल युवक शावेद की मौत करीब छह महीने पहले सितंबर 2025 में हो चुकी थी। परिजनों के अनुसार उसका फोन बंद आ रहा था। उसके साथ हल्द्वानी का एक युवक भी घायल हुआ था। जो घायल अवस्था में वापिस लौट आया। लेकिन उसने कोई बात परिजनों को नहीं बताई। करीब छह महीने पहले से परिजनों से संपर्क टूटने के बाद परिवार के लोगों ने रामपुर सांसद मोहिब्बुल्लाह नदवी से मामले में बात की। उसके बाद सांसद ने भारत के केंद्रीय विदेश मंत्री जयशंकर से मुलाकात की। विदेश मंत्रालय ने मामले में परिजनों की मदद की, इसके बाद गुरुवार को उनको युवक की मौत के बारे में पता चला। ताबूत पर लगी लिस्ट के पर युवक की मौत की तिथि अंकित है। सांसद ने युवक की मौत पर दुख जताया है।

रेलवे स्टेशनों के पास लगेंगे एआई सेंसर कैमरे, ट्रेनों के हर जोड़ का होगा एक्सरे, सुरक्षित होगा संचालन

रेलवे ट्रेनों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए एआई सेंसर वाले हाईटेक कैमरे लगाने जा रहा है। जो स्टेशन पर प्रवेश और निकलते समय बोगियों के हर जोड़ की जांच करेंगे। किसी भी खराबी या खतरे की स्थिति में तुरंत इंजीनियरिंग टीम को सूचना भेजी जाएगी। इससे सकेगा।किसी भी ट्रेन के रेलवे स्टेशन पर प्रवेश करते जोड़ की जांच होगी। इसके लिए स्टेशनों के नजदीक क्षमता वाले यह कैमरे ट्रेन के इंजन और बोगियों के हर खुलने की आशंका है या कोई पार्ट कमजोर है तो तत्काल है कि एआई आधारित इस तकनीक से सुरक्षित संचालन अधिकारियों तक भेजने के लिए रोलिंग हट में एक कंप्यूटर रहेगी।पुरानी व्यवस्था के अनुसार अब तक ट्रेन के सभी हट पर खड़ा रहता है। वह ट्रेन के गुजरते समय झुककर है। इस व्यवस्था में मानवीय चूक की संभावना बहुत टॉर्च की रोशनी में चेक करना बेहद मुश्किल होता है। ऐसे

मानवीय चूक कम होने के साथ दुर्घटनाओं को रोका जा समय और स्टेशन छोड़ते समय उसकी बोगियों के प्रत्येक रोलिंग हट पर एआई सेंसर वाले कैमरे लगाए जाएंगे। उच्च एक जोड़ का एक्सरे करेंगे।यदि कोई जोड़ ऐसा है जिसके इंजीनियरिंग टीम को रिपोर्ट भेजी जाएगी। रेलवे का मानना हो सकेगा और दुर्घटनाएं नहीं होंगी। सेंसर की रिपोर्ट को सिस्टम लगाया जाएगा, जिस पर रेलकर्मी की तैनाती जोड़ों की जांच मैनुअल की जाती है। एक रेलकर्मी रोलिंग देखता रहता है कि कहीं किसी जोड़ में कोई खामी तो नहीं अधिक रहती है। रात के समय चलती ट्रेन के सभी जोड़ में रेलवे यह कैमरा लगा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि ट्रेनों के तेज गति में होने पर भी एआई सेंसर सटीक रिपोर्ट देगा। इस मॉडल का उदाहरण हाल ही में दिल्ली में आयोजित हुई इंडिया एआई समिट में भी प्रस्तुत किया गया था। इस साल 15 रेलवे स्टेशनों पर होगी एआई इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग- ट्रेनों को एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक पहुंचाने के लिए स्टेशन मास्टर को प्वाइंट्स बनाने पड़ते हैं। कई बार पटरियों को लिंक करने या बंद करने के लिए बहुत मशक्कत करनी पड़ती है। जरा सा ध्यान हटते ही चूक की संभावना रहती है। अब इस परेशानी को दूर करने के लिए भी रेलवे एआई की मदद ले रहा है। इस साल 15 रेलवे स्टेशनों के आसपास के फाटकों और पटरियों को एआई आधारित इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग से जोड़ दिया जाएगा। इसके बाद कंप्यूटर सिस्टम पर बैठकर स्टेशन मास्टर ट्रेन के लिए पटरियों पर प्वाइंट्स बना सकेंगे। रेलवे के मुताबिक मंडल के 50 रेलवे स्टेशनों को इस व्यवस्था से जोड़ने का लक्ष्य है। इसके लिए 670 करोड़ रुपये मिले हैं। गाजियाबाद-रोजा रेलखंड पर 2027 में लगेगा कवच, 160 होगी ट्रेनों की रफ्तार - मुरादाबाद-बरेली होते हुए गाजियाबाद-रोजा रेलखंड वर्ष 2027 में कवच सिस्टम से लेस हो जाएगा। सुरक्षा के साथ ट्रेनों को रफ्तार मिल सके, इस पर भी रेलवे काम कर रहा है। गाजियाबाद से हापुड़ तक ऑटोमेटिक ब्लॉक सिग्नलिंग का काम पूरा हो गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 132 किमी रेलवे ट्रैक बदला गया है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यह सारी कवायद ट्रेनों को 160 किमी प्रति घंटा की गति से दौड़ाने के लिए की जा रही है। वर्तमान में मंडल में ट्रेनों की अधिकतम गति 120 से 130 किमी प्रति घंटा है। ट्रेनों की गति बढ़ाने के लिए मंडल के 14 इंटरचेंज प्वाइंट भी तकनीक से लेस किए गए हैं। रेलवे स्टेशनों की रोलिंग हट के पास एआई एनेबल्ड सीसीटीवी लगाए जाएंगे, जिनसे रोलिंग स्टॉक की जांच हो सकेगी। इससे सुरक्षित और संरक्षित रेल संचालन में मदद मिलेगी। इसके अलावा ट्रैक पर बहुत से कार्य किए जाएंगे, जिनसे ट्रेनों की गति बढ़ेगी। - विनीता श्रीवास्तव, डीआरएम मुरादाबाद

जातीय संतुलन में फिसली भाजपा की जिला कमेटी... नामजदों को भी नवाजा; इन दो समाज को नहीं मिली भागीदारी

दो अप्रैल को घोषित भाजपा जिला कार्यकारिणी में जातिगत असंतुलन है। जाटों को अधिक प्रतिनिधित्व, बिश्नोई-वैश्य समाज को जगह नहीं। आपराधिक पृष्ठभूमि वाले पदाधिकारी भी शामिल हैं।सबका साथ-सबका विकास...भाजपा सरकार के इस बुनियादी सिद्धांत सदस्यीय कमेटी में छह पदाधिकारी जाट बिरादरी से हैं। ब्राह्मण तीन, कार्यकारिणी में बिश्नोई और वैश्य समाज को जगह नहीं मिली है। ऊपर पुलिस रिकार्ड में दर्ज होने के कारण सुर्खियों में रहे थे। कमेटी पर अब कई तरह के असंतुलन के कारण भाजपा की जिला कमेटी चर्चाओं में गई। इसमें आठ उपाध्यक्ष, आठ मंत्री, तीन महामंत्री और एक कोषाध्यक्ष मुकदमे दर्ज हैं। इसमें गजेंद्र चौधरी का नाम सबसे अधिक चर्चाओं में है। रंगदारी मांगने की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। वहीं, ब्रजेश लोधी पर एक महिला पर भी मुकदमा दर्ज है। बिश्नोई और वैश्य समाज को कमेटी में नहीं असंतुलन की बात भी सामने आ रही है। कार्यकारिणी में सबसे अधिक बनाए गए हैं। इनमें तीन उपाध्यक्ष, दो मंत्री और एक महामंत्री शामिल हैं। स्थान दिया है। शेष सात पदाधिकारियों में कश्यप, पंजाबी, यादव, लोधी,

पर संगठन की जिला कार्यकारिणी खरी साबित नहीं हो रही है। बीस प्रजापति और सैनी समाज से दो-दो पदाधिकारी कमेटी में शामिल हैं। से कमेटी में उन नामों को भी स्थान मिला है, जो कुछ समय पहले तक परिवारवाद की छाया भी है। हालात यह हैं कि पहले घोषणा में देरी तो है।दो अप्रैल को भाजपा की 20 सदस्यीय जिला कार्यकारिणी घोषित की हैं। इस कार्यकारिणी में उन्हें भी जगह मिली है जिन पर आपराधिक वह पिछली कार्यकारिणी में भी उपाध्यक्ष रहे। गजेंद्र चौधरी के खिलाफ ने दुर्व्यवहार की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके अलावा एक महिला पदाधिकारी मिली भागीदारी- वहीं, दूसरी ओर इस नई कार्यकारिणी में जातिगत भागीदारी जाट बिरादरी को मिली है। कमेटी में छह जाट पदाधिकारी ब्राह्मण तीन, सैनी-प्रजापति समाज से दो-दो पदाधिकारियों को कमेटी में जाटव, वाल्मीकि, क्षत्रिय बिरादरी का प्रतिनिधित्व है लेकिन बिश्नोई और वैश्य समाज को कमेटी में भागीदारी नहीं मिली है। जिला कमेटी के पदाधिकारियों का चयन जिले व क्षेत्रीय पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की सर्वसम्मत राय से किया गया है। कमेटी में सभी बिरादरी को शामिल करने का पूरा प्रयास किया गया है। जिन बिरादरी को जगह नहीं मिली हैं, उन्हें जिले के भाजपा प्रकोष्ठों को शामिल किया जाएगा। - आकाश पाल, जिलाध्यक्ष, भाजपा भाजपा जिला कार्यकारिणी में इन्हें मिला है पद जिला उपाध्यक्ष = चंद्रपाल सिंह सैनी, कमल प्रजापति, डॉ. यशवीर सिंह, गजेंद्र चौधरी, चकित चौधरी, अशोक प्रजापति, मयूर भाटिया, आदेश चौधरी। जिला महामंत्री = नवीन उर्फ विकास चौधरी, ओमपाल सैनी, आदित्य शंखधार। जिला मंत्री = दिनेश यादव, अरुण कुमार शर्मा, विक्रांत सिंह, लकी चौधरी, ब्रजेश लोधी, कशिश चौहान, प्रियंका जाटव, ज्योति वाल्मीकि। कोषाध्यक्ष = आशीष शर्मा। मां महानगर में तो बेटी जिला कमेटी में- मुरादाबाद। भाजपा ने भले ही परिवारवाद का विरोध करके अपनी सियासत को धार दी हो लेकिन कमेटियों को ध्यान से देखें तो यहां घर-परिवार को खासा महत्व मिला है। भाजपा की महानगर कार्यकारिणी की एक सदस्य की बेटी को भाजपा जिला कमेटी में शामिल किया गया है। भाजपा पार्षद के पति को भी जिला कमेटी में जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा एक पूर्व विधायक के बेटे को भी कार्यकारिणी में स्थान दिया गया है। आखिर गजेंद्र चौधरी के नाम पर हाईकमान चुप क्यों- मुरादाबाद। भाजपा जिला कमेटी में फिर से उपाध्यक्ष बनाए गए गजेंद्र चौधरी पार्टी के बड़े नेता से अदावत को लेकर चर्चाओं में रहे थे। गजेंद्र के खिलाफ रंगदारी मांगने का मुकदमा दर्ज कराया गया था। जेल भी भेजा गया था। इस मामले में उस वक्त पार्टी के एक बड़े नेता की भूमिका का हवाला दिया गया था। अब गजेंद्र चौधरी को भाजपा कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष बनाया गया है। इस मामले में हाईकमान की चुप्पी पर सवाल उठने लगे हैं। चर्चा तो यहां तक है कि गजेंद्र चौधरी का नाम शामिल कराने के लिए जिला कार्यकारिणी की सूची रोक दी गई थी। एक जनप्रतिनिधि गजेंद्र चौधरी के नाम पर अंत तक अड़े रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

निकाह की सभी रस्में हो गई थी पूरी, तभी दोनों पक्षों में हो गया विवाद, बिना दुल्हन के लौटी बरात

ठाकुरद्वारा में निकाह की रस्में पूरी होने के बाद दोनों पक्षों में विवाद हो गया। इसके बाद बिना दुल्हन के बरात वापस चली गई। मामले की जांच पुलिस कर रही है। निकाह के दौरान विवाद हो जाने से दुल्हन के बिना ही बरात लौट गई। इस मामले में दूल्हे के पिता ने कोतवाली में पहुंचकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की। एक युवक की बरात दो अप्रैल को क्षेत्र के एक गांव में गई थी। निकाह सहित शादी की सभी रस्में पूरी हो गई थीं।दुल्हन को विदा करने और सलामी की रस्म चल रही थी। तभी सलामी की रस्म के दौरान दूल्हा अपने बड़े भाई की सलामी की रस्म न होने से नाराज हो गया। इसे लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। कहासुनी और नोकझोंक होने लगी।हंगामा होने पर दुल्हन के परिजनों ने उसे दूल्हे के साथ भेजने से मना कर दिया। इस पर दूल्हा बिना दुल्हन के ही बरात को लेकर अपने घर वापस लौट आया। इसके बाद दोनों पक्षों के लोगों ने मामले को निपटाने का प्रयास किया लेकिन समझौता नहीं हो सका। इस पर दूल्हे के पिता ने पुलिस को दुल्हन पक्ष के खिलाफ प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की। दूल्हे के पिता ने कहा कि या तो उसके यहां दुल्हन भेजी जाए या उसे शादी में हुआ खर्च दुल्हन पक्ष से दिलाया जाए। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक मनोज परमार ने कहा कि शिकायत की जांच की जाएगी।

भाजपा नेता के फुफेरे भाई को पूर्व प्रधान के बेटे ने मारी गोली, मुरादाबाद पुलिस की गिरफ्त में पिता-पुत्र

भाजपा नेता के फुफेरे भाई को गोली मार दी गई। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी पिता-पुत्र को हिरासत में ले लिया है। परिजनों ने बताया कि पीड़ित का रेलवे में लोको पायलट के तौर पर चयन हो गया है।मझोला थाना क्षेत्र के गांव उत्तमपुर बहलोलपुर में शनिवार की शाम करीब सात बजे पूर्व प. घान कर्मवीर के बेटे रोहित ने

भाजपा नेता किशन लाल जाटव के फुफेरे भाई अशोक सागर (25) को गोली मार दी। अशोक की कनपटी में गोली लगी है और उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। अशोक के पिता का कहना है कि उसके बेटे का रेलवे में लोको पायलट के पद पर चयन हो गया है।इसी बात से चिढ़कर आरोपी ने अपने पिता के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी पिता पुत्र को गिरफ्तार कर लिया है। भाजपा के प्रांतीय परिषद सदस्य एवं ऑटो यूनियन नेता किशन लाल जाटव के फूफा सोमपाल सिंह मझोला के उत्तम पुर बहलोलपुर गांव में रहते हैं।सोमपाल सिंह ने बताया कि उनके तीन बेटों में दूसरे नंबर के बेटे अशोक सागर का रेलवे में लोको पायलट के पद पर चयन हुआ है। बीस अप्रैल को उसे ट्रेनिंग पर जाना था। इसी बात को लेकर पूर्व प्रधान कर्मवीर और उसका बेटा रोहित अशोक सागर से चिढ़ रहे थे। शनिवार की रात करीब सात बजे अशोक गांव में ही जीवन सिंह के मकान के पास खड़ा था। इसी दौरान वहां रोहित और उसका पिता कर्मवीर आ गया। रोहित ने तमंचे से अशोक के सिर में गोली मार दी। जिसमें वह लहूलुहान होकर मौके पर ही गिर गया। फायरिंग की आवाज सुनकर सोमपाल और उनके दो बेटे शिव कुमार और लवकुश भी मौके पर पहुंच गए। इसी बीच आरोपी मौके से भाग गए। परिजन घायल को निजी अस्पताल लेकर पहुंचे और भर्ती करा दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक टीम भी बुला ली। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर पिता पुत्र के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों से पूछताछ की जा रही है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

पेट्रोल पंप के मालिक पिता पुत्र के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / शेर सिंह/ भुता। कस्बा क्षेत्र में चल रहा प्रीति फिलिंग स्टेशन के नाम से पेट्रोल पंप के मालिक पिता व बेटे के खिलाफ ग्राम प्रधान ने तहरीर देकर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच व आरोपियों की तलाश कर रही है।

कस्बा भुता के ग्राम प्रधान बृजेश गंगवार ने बताया कि कस्बे में प्रीति फिलिंग स्टेशन के नाम से एक पेट्रोल पंप है। जिसकी गाटा संख्या 260 है। जिसका संचालन मोहन शर्मा व उनका बेटा गौरव शर्मा कर रहा है।

कुछ समय पहले अपने पेट्रोल पंप की बिक्री करने के लिए 3 करोड़ में मुझसे सौदा तय किया था। और एडवांस तौर पर मुझसे 30 लख रुपए नगद लिए थे । जिसकी एक नोटरी भी करायी गई थी। बदले में गौरव शर्मा ने मुझे 10-10 लाख के तीन चेक दे दिए थे। समय अनुसार जब मैंने पेट्रोल पंप का बैनामा करवाने के लिए कहा। तो आरोपी टाल मटोल करने लगा। पीड़ित ने कई बार पेट्रोल पंप के सौदे के समय मौजूद गवाह को लेकर गौरव शर्मा से के पास गया। लेकिन वह नहीं माना।

जब पीड़ित ने आरोपी से अपने 30 लख रुपए वापस देने के लिए कहा। तो आरोपी ने कोई भी संतोषजनक जवाब नहीं दिया। पीड़ित को जब आरोपी पर शक हुआ तो पीड़ित ने उसके दिए हुए चेक को बैंक लेकर गया। तो पता चला आरोपी गौरव शर्मा ने अपना अकाउंट पहले से ही बंद करवा दिया है। आरोपी ने पेट्रोल पंप मालिक गौरव शर्मा से पीड़ित से 30 लाख रुपए हड़प कर धोखाधड़ी की है। और अब पीड़ित द्वारा रुपए वापस मांगने पर गौरव शर्मा व मोहनलाल शर्मा दोनो पीड़ित को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पीड़ित ने दोनों धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ एक तहरीर देकर धोखाधड़ी व जान से मारने की धमकी आदि की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच व धोखाधड़ी करने वाले दोनों की तलाश कर रही है। बताया जाता है की प्रीति फिलिंग स्टेशन के मालिक गौरव शर्मा कस्बा के कई लोगों से पेट्रोल पंप के नाम से करोड़ों की ठगी कर चुका है। थाना प्रभारी निरीक्षक रविंद्र कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल कर विधिक अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

अमरिया में ओलावृष्टि का कहर, गेहूं की फसल बर्बाद, किसानों ने मांगा मुआवजा, प्रशासन से सर्वे की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत - अमरिया (पीलीभीत)। तहसील क्षेत्र अमरिया में शनिवार रात आई तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि ने भारी तबाही मचाई। अचानक बदले मौसम ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया, वहीं खेतों में कटाई के लिए तैयार खड़ी गेहूं की फसल को व्यापक नुकसान पहुंचा है। जानकारी के अनुसार, शनिवार रात करीब 9 बजे मौसम ने अचानक करवट ली और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई।

कुछ ही देर में ओलावृष्टि ने हालात और बिगाड़ दिए। खेतों में खड़ी फसल तेज हवा और ओलों की मार से जमीन पर गिर गई, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। ग्रामीण इलाकों में कई स्थानों पर पेड़ गिरने और बिजली आपूर्ति बाधित होने की भी सूचना है, जिससे लोगों को रातभर दिक्कतों का सामना करना पड़ा। प्रभावित किसानों ने प्रशासन से फसल क्षति का तत्काल सर्वे कराकर उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है। किसानों का कहना है कि फसल कटाई के ठीक पहले हुए इस नुकसान से उनकी आर्थिक स्थिति पर गहरा असर पड़ेगा। मौसम विभाग के अनुसार, आगामी 24 घंटों में आसमान में बादल छाए रहने और हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है, जिससे किसानों की चिंता और बढ़ गई है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

शंकराचार्य ने सरकार पर साधा निशाना, बोले- यूपी में तेजी से बढ़े गौ हत्या के मामले

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि उत्तर प्रदेश में गौ हत्या के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। सनातन प्रेमियों को उम्मीद थी कि योगी सरकार बनने के बाद को गो हत्या में कमी आएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अन्य राज्यों की अपेक्षा उत्तर प्रदेश में इन मामलों में लगातार वृद्धि हुई है। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती रविवार सुबह बरेली पहुंचे। उन्होंने प्रेसवार्ता में कहा कि मुख्यमंत्री योगी के हस्ताक्षर से पूरे प्रदेश में बूचड़खाने चल रहे हैं, जिन्हें रोकने की बात उन्होंने कही थी। विदेश के माल में गो मांस खुलेआम बिक रहा है। यह उत्तर प्रदेश के लिए ये शर्मसार करने वाली बात है। संत समाज लोक कल्याण के लिए है ना कि राजनीति में आने के लिए। उन्होंने कहा कि राजनीति के लिए राजनीति की शपथ और धर्म के लिए धर्म की शपथ लेनी होती है, लेकिन दोनों शपथ एक साथ नहीं ले जा सकती। एक संन्यासी किसी प्रदेश सरकार का नौकर नहीं हो सकता। आगामी विधानसभा चुनाव पर अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि जो लोग प्रदेश में गो हत्या को बंद कराएंगे, सनातन प्रेमियों को उन्हीं की सरकार चुननी चाहिए। अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि प्रदेश में आगामी चुनाव को देखते हुए वह एक मई से प्रदेश की सभी विधानसभा का भ्रमण कर लोगों को जागरूक करेंगे और बताएंगे कि प्रदेश में ऐसी सरकार चुनें जो गौ हत्या पर बंद कर सके।

एसएसपी अनुराग आर्य की सख्ती, ध्वनि प्रदूषण पर अवैध लाउडस्पीकर उतरवाए

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिले में ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए बरेली के स्स्क्ष अनुराग आर्य ने सख्त रुख अपनाते हुए पुलिस को विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। इसी क्रम में शनिवार को जिलेभर में सार्वजनिक स्थलों और धर्मस्थलों पर लगे लाउडस्पीकरों की व्यापक जांच की गई। कार्रवाई के दौरान नियमों का उल्लंघन करते मिले 95 लाउडस्पीकरों को तत्काल उतरवा दिया गया। अभियान के तहत पुलिस अधिकारियों ने बड़े स्तर पर चेकिंग की। सीओ स्तर के अधिकारियों ने 98 स्थानों का निरीक्षण किया, जबकि थाना प्रभारियों ने 389 स्थानों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं की जांच की। कुल 892 स्थानों पर की गई इस कार्रवाई में 193 जगहों पर लाउडस्पीकर की आवाज तय मानकों से अधिक पाई गई, जिसे मौके पर ही कम कराकर नियमों के अनुरूप कराया गया। स्स्क्ष अनुराग आर्य के निर्देशानुसार जिले में हर शनिवार को ध्वनि विस्तारक यंत्रों की जांच का अभियान चलाया जा रहा है, ताकि आमजन को ध्वनि प्रदूषण से राहत मिल सके और उच्च न्यायालय व शासन के निर्देशों का पालन सुनिश्चित हो। कार्रवाई के दौरान थाना क्षेत्रों में भी व्यापक एक्शन देखने को मिला। फरीदपुर में सबसे ज्यादा 16 लाउडस्पीकर हटाए गए। इसके अलावा शेरगढ़ में 14, किला, फतेहगंज पूर्वी और हाफिजगंज में 10-10, नवाबगंज में 9, बारादरी और बिशारतगंज में 4-4, बिथरी चैनपुर और भोजीपुरा में 3-3, जबकि आंवला, भमोरा, फतेहगंज पश्चिमी, भुता, बहेड़ी और देवरनियां में 2-2 लाउडस्पीकर उतरवाए गए। पुलिस प्रशासन ने साफ किया है कि स्स्क्ष अनुराग आर्य के निर्देश पर आगे भी इस तरह के अभियान लगातार जारी रहेंगे और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

खड़े टैंकर से भिड़ी तेज रफ्तार बोलेरो, चार की मौके पर मौत

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। बड़ा बाईपास पर रविवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे ने हड़कंप मचा दिया। सीबीगंज थाना क्षेत्र के परधोली के पास लखनऊ की ओर से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े टैंकर में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों के मुताबिक बोलेरो की रफ्तार काफी तेज थी। चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और सीधे खड़े टैंकर में जा भिड़ा। टक्कर के बाद बोलेरो के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए और अंदर बैठे लोग बुरी तरह फंस गए। हादसे में चार लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायलों को तत्काल एंबुलेंस की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं हादसे के बाद एक युवक बोलेरो में बुरी तरह फंस गया। उसे बाहर निकालने के लिए पुलिस और स्थानीय लोग रेस्क्यू में जुटे रहे। कटर और अन्य उपकरणों की मदद से वाहन को काटकर निकालने का प्रयास किया गया। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया। पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही को हादसे की वजह माना जा रहा है। सीबीगंज इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि घायलों को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है और वाहन में फंसे व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा है।

बदलते मौसम से बढ़ी बुखार और पेट संबंधी बीमारियां

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर आयोजित स्वास्थ्य मेले में बुखार, खांसी, त्वचा एवं पेट संबंधी बीमारियों के मरीज बड़ी संख्या में पहुंचे। बदलते मौसम की वजह से लोगों में विभिन्न स्वास्थ्य समस्याएं देखने को मिल रही हैं। रविवार को आयोजित स्वास्थ्य मेले में सबसे ज्यादा बुखार और त्वचा संबंधी समस्याओं के मरीज पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें दवा देने के साथ-साथ सावधानी बरतने की भी सलाह दी। इस दौरान बच्चों में डायरिया, बुखार और पेट संबंधी बीमारियों के मामले भी सामने आए। इसके अलावा आरोग्य मंदिरों पर बच्चों का टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं की जांच तथा बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई।

बरेली होकर गुजरेगी 8 ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनें की रेलवे ने जारी की समय सारिणी

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। रेलवे ने बरेली होकर चार जोड़ी यानी अप-डाउन आठ और ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेनों की समय सारिणी जारी की है। इनमें छह ट्रेनों का संचालन ऋषिकेश से कोलकाता, गोरखपुर और मुजफ्फरपुर के बीच किया जाएगा। दो गाड़ियां बठिंडा-वाराणसी के बीच चलाई जाएंगी। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित कुमार ने बताया कि गाड़ियों में टिकट बुकिंग खोल दी गई है। संचालित होने बाली गाड़ियों में 04312 योग नगरी ऋषिकेश-कोलकाता ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी 17 अप्रैल से 10 जुलाई तक प्रत्येक शुक्रवार को रात 10-20 बजे योग नगरी ऋषिकेश से चलने के बाद अगले दिन सुबह 5-02 बजे बरेली आएगी और तीसरे दिन सुबह आठ बजे कोलकाता पहुंचेगी। 04311 कोलकाता-योग नगरी ऋषिकेश विशेष गाड़ी 19 अप्रैल से 12 जुलाई तक प्रत्येक रविवार को कोलकाता से दोपहर 1-55 बजे चलने के बाद अगले दिन शाम 4-28 बजे बरेली आएगी और रात 11-30 बजे योग नगरी ऋषिकेश पहुंचेगी।

नाले में गिरे ड्राईवर की मौत में फंसे ठेकेदार व इंजीनियर -सुपरवाइजर, सफाई नायक सहित 5 दोषी

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। सैटेलाइट बस अड्डे पर खुले नाले में गिरकर हरदोई के ट्रक ड्राइवर तौहीद की मौत के मामले में जांच रिपोर्ट आ गई है। अपर नगरायुक्त की अध्यक्षता में बनी कमेटी ने हादसे के लिए दो जूनियर, सुपरवाइजर, सफाई नायक के साथ ठेकेदार को दोषी मानते अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। आगे का एक्शन अब नगरायुक्त संजीव मौर्या को लेना है। जांच में गर्दन फंसने के बाद जहां एक ओर जहां ठेकेदार की फर्म ब्लैकलिस्ट की जानी है, वहीं सभी दोषियों पर गाज गिरना भी तय मानी जा रही है। स्मार्ट सिटी बरेली की साख पर ग्रहण लगाने वाला मनहूस हादसा सैटेलाइट पर 24 मार्च की रात में हुआ था। हरदोई का रहने वाला नौजवान तौहीद रुद्रपुर की एक कंपनी में ट्रक चलाता था और उत्तराखंड में लंबे समय काम करने के बाद अपने घर जा रहा था। रात में वह बस अड्डे पर खुले नाले किनारे हरदोई के लिए बस का इंतजार कर रहा था। अचानक वह गहरे नाले में गिर गया था। तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू करने के बाद भी एसडीआरएफ, पुलिस व नगर निगम की टीमें 30 घंटे बाद तौहीद का का शव नाले से बरामद कर सकी थीं।

बीट में लापरवाही पड़ी भारी: एसएसपी अनुराग आर्य ने आरक्षी विशु को किया निलंबित

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। एसएसपी अनुराग आर्य ने लापरवाही बरतने पर एक बार फिर आरक्षी 94 विशु (PNO 192672971) के विरुद्ध गंभीर आरोप संज्ञान में आने पर उसे तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 27.01.2026 को थाना भोजीपुरा पर पंजीकृत मु0अ0सं0 51/2026, धारा 3/5/8 गौवध निवारण अधिनियम के अंतर्गत अभियुक्त राजू कुरैशी पुत्र अलीजान निवासी मोलागढ़ को दिनांक 14.02.2026 को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। अभियुक्त के विरुद्ध गौकशी सहित कुल 19 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। बताया जा रहा है कि उक्त अभियुक्त आरक्षी विशु की बीट क्षेत्र में निवास करता था। इसके बावजूद आरक्षी द्वारा अभियुक्त का बीट रजिस्टर में अंकन नहीं किया गया और उसके आपराधिक इतिहास की जानकारी होने के बाद भी निरोधात्मक कार्यवाही के लिए उच्च अधिकारियों को अवगत नहीं कराया गया। इस गंभीर लापरवाही को संज्ञान में लेते हुए, स्स्क्षष्ठ हाईवे की जांच आख्या के आधार पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने आरक्षी विशु को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। साथ ही, मामले में विभागीय जांच भी प्रारंभ कर दी गई है। एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा कि कर्तव्यों में लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी कर्मियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

झलकारी बाई के बलिदान दिवस पर कोरी समाज ने की पुष्पांजलि अर्पित

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। अखिल भारतीय कोरी/कोली समाज की अमर शहीद वीरांगना झलकारी बाई (कोरी) का 169 बा बलिदान दिवस को याद करते हुए कोरी /कोली समाज के लोगो ने अमर शहीद वीरांगना को याद करते हुए उनकी प्रतिमा पर फूल माला चढ़ाकर याद किया। जिसमे अहम भूमिका प्रदेश संगठन मंत्री/ जिलाअध्यक्ष ब्रह्मानंद गांधी ने अध्यक्षता करते हुए अमर शहीद झलकारी बाई कोरी के बारे में चर्चा की। जिसमे संगठन के महानगर अध्यक्ष कृष्ण कुमार कोरी, महानगर उपाध्यक्ष परमेश्वर दयाल कोरी, महानगर सचिव किशन लाल पंथ, महानगर महामंत्री श्री संजय कोरी एवं कोरी/कोली समाज के लोगो ने मिलकर अमर शहीदों को याद किया।

रंजिश में चलाई गोली महिला के सिर में लगी: हालत गंभीर

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना बिथरी चैनपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पुरनापुर में दो पक्षों की रंजिश में विवाद के बाद महिला को गोली लगी गई। उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गांव के ही विनोद और अमित पक्ष के बीच पुरानी रंजिश है। आरोप है कि रविवार सुबह खेत से लौटते समय अमित पक्ष ने घात लगाकर विनोद पर हमला कर दिया। बचकर भागे विनोद पर गोली चलाई गई जो पड़ोस में खड़ी गीता के सिर में जा लगी। वारदात के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। गीता को गंभीर हालत में निजी अस्पताल ले जाया गया। मामले में पुलिस को सूचना दी गई है।

आसमान के सफाई सैनिक' लौटे, 20 हिमालयी गिद्धों की दुर्लभ मौजूदगी से वन विभाग उत्साहित

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार / पीलीभीत – पीलीभीत टाइगर रिजर्व में पहली बार एक साथ 20 दुर्लभ हिमालयी गिद्धों के दिखाई देने से वन विभाग और वन्यजीव प्रेमियों में उत्साह है। यह घटना रिजर्व के बेहतर होते पर्यावरण और मजबूत इकोसिस्टम का संकेत मानी जा रही है।

जानकारी के अनुसार, मृगनैनी ताल क्षेत्र में सफारी के दौरान बाघ मित्र अतुल सिंह ने आसमान में एक साथ उड़ते गिद्धों के बड़े झुंड को देखा। गिनती करने पर इनकी संख्या 20 पाई गई। आमतौर पर हिमालयी क्षेत्रों में पाए जाने वाले ये गिद्ध मैदानी इलाकों में कम ही नजर आते हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक, गिद्ध पर्यावरण के सफाई सैनिक माने जाते हैं। ये मृत जानवरों को खाकर संक्रमण फैलने से रोकते हैं और पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित बनाए रखते हैं। ऐसे संवेदनशील पक्षियों की मौजूदगी इस बात का संकेत है कि क्षेत्र में पर्याप्त भोजन, स्वच्छ वातावरण और कम मानव हस्तक्षेप मौजूद है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने इसे दुर्लभ और सकारात्मक घटना बताते हुए कहा कि इतनी बड़ी संख्या में गिद्धों का दिखना रिजर्व के इकोसिस्टम के लगातार बेहतर होने का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि गिद्ध केवल उन्हीं क्षेत्रों में टिकते हैं, जहां पर्यावरण स्वच्छ और खाद्य श्रृंखला संतुलित होती है।

गौरतलब है कि एक समय गिद्धों की संख्या में भारी गिरावट आई थी, जिसका मुख्य कारण डाइक्लोफेनाक जैसी दवाओं का प्रभाव और पर्यावरणीय बदलाव थे। ऐसे में अब इनकी वापसी को वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

वन विभाग के अनुसार, एंटी-पोचिंग अभियान, कड़ी निगरानी और प्राकृतिक आवास के संरक्षण के प्रयासों का असर अब दिखने लगा है। अधिकारियों का मानना है कि यह घटना भविष्य में बर्ड वॉचिंग और इको-टूरिज्म को भी बढ़ावा दे सकती है।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की पारिवारिक विवादों का शांतिपूर्ण समाधान

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में पुलिस परिवार परामर्श केंद्र, श्रावस्ती में आयोजित बैठक के दौरान तीन वैवाहिक/पारिवारिक विवादों का संवाद, काउंसलिंग एवं आपसी समझ के माध्यम से सफलतापूर्वक निस्तारण कराया गया। बैठक में प्रभारी उप निरीक्षक शिवशरण गौड़ महिला थाना प्रभारी पुष्पलता, महिला आरक्षी अर्चना रावत एवं नीतू कुशवाहा की उपस्थिति में दोनों पक्षों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा आपसी सहमति से सुलह-समझौता कराया गया। पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की संवेदनशील पहल से पारिवारिक मतभेद दूर हुए और संबंधों में पुनः विश्वास स्थापित हुआ। सुलह उपरांत सभी पक्षों द्वारा भविष्य में आपसी सामंजस्य एवं पारिवारिक दायित्वों के निर्वहन का आश्वासन दिया गया। पुलिस प्रशासन द्वारा निरंतर संपर्क बनाए रखा जाएगा ताकि परामर्श प्रक्रिया स्थायी रूप से सफल बनी रहे और परिवारों में सौहार्द कायम रहे। सीमा पत्नी लतीफ पुत्री नन्हे बाबू निवासी मोहल्ला हनुमानगढ़ शहर थाना कोतवाली भिनगा जनपद श्रावस्ती लतीफ उर्फ चुन्नू पुत्र नूर मोहम्मद निवासी विक्टोरिया थाना सिरसिया जनपद श्रावस्ती सुनीता देवी पत्नी महेश कुमार पुत्री बुधराम निवासी जमुंनही पूरे आधारी थाना कोतवाली भिन्नगा जनपद श्रावस्ती महेश कुमार पुत्र ठगई निवासी शिवराजपुर थाना कोतवाली भिनगा जनपद श्रावस्ती

डीएम व एसपी ने अचानक गैस एजेंसी का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती – जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने विकास खण्ड जमुनहा के अन्तर्गत श्रीराम भारत गैस एजेंसी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गैस सिलेंडरों के भंडारण, कनेक्शन, वितरण प्रक्रिया और सुरक्षा मानकों का गहनता से जायजा लिया। इस दौरान ज्ञात हुआ कि एजेंसी पर कुल 19,281 उपभोक्ता कनेक्शन है, जिसके सापेक्ष 540 बुकिंग प्राप्त हुए तथा 154 सिलेण्डर का स्टॉक उपलब्ध है। जिलाधिकारी ने एजेंसी संचालक को निर्देशित किया कि उपभोक्ताओं को समय पर रिफिल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा घटतौली जैसी शिकायतें न मिले, इसके लिए सख्त निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने होम डिलीवरी के रजिस्टर और पेंडिंग बुकिंग की स्थिति जांची गई। जिस पर ज्ञात हुआ कि 25 सिलेण्डर होम डिलीवरी हेतु संरक्षित है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि किसी भी उपभोक्ता को सिलेंडर के लिए निर्धारित समय से अधिक प्रतीक्षा न करनी पड़े। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि यदि कोई भी हॉकर निर्धारित दर से अधिक पैसे वसूलता पाया गया, तो उसका लाइसेंस निरस्त करने के साथ-साथ एजेंसी के विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने एजेंसी पर आने वाले उपभोक्ताओं से भी जानकारी ली और कहा कि आम जनमानस को आवश्यक सेवाओं की निर्बाध आपूर्ति हमारी प्राथमिकता है। गैस वितरण में किसी भी प्रकार की कालाबाजारी, घटतौली या अवैध वसूली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी गैस एजेंसियां शासन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करें। इस अवसर पर जिला पूति अधिकारी दीपक कुमार वार्ष्णेय, पूर्ति निरीक्षक जमुनहा सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

शिवपुरी कोतवाली पुलिस ने नकबजनी के दो मामलों का किया खुलासा, 5 लाख का माल बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। कोतवाली पुलिस ने शहर में हुई नकबजनी की दो घटनाओं का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 5 लाख रुपये का चोरी किया गया सामान और वारदात में प्रयुक्त लोडिंग वाहन भी जब्त किया है। जानकारी के अनुसार, 27 मार्च को चतुर्भुज हॉस्पिटल के पास स्थित एक गोदाम से तीन फ्रिज चोरी होने तथा पास के ध्यान केंद्र से एलईडी टीवी, मिक्सर, साउंड सिस्टम सहित अन्य सामान चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की गई। कोतवाली टीआई रोहित दुबे के नेतृत्व में टीम ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपियों की पहचान की। 4 अप्रैल को ग्वालियर बायपास रोड पर पुलिस ने दो संदिग्धों को चोरी का माल बेचने की फिराक में पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजू कुशवाह (कोलारस) और देवेंद्र कुशवाह (ऐंचवाड़ा) के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने चोरी की वारदात कबूल करते हुए बताया कि उन्होंने गोदाम से फ्रिज और ध्यान केंद्र से इलेक्ट्रॉनिक सामान व पीतल-तांबे की धार्मिक वस्तुएं चोरी की थीं। पुलिस ने आरोपियों के पास से फ्रिज, एलईडी टीवी, मिक्सर, साउंड सिस्टम सहित पीतल की मूर्तियां, बर्तन और अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी राजू कुशवाह पर पहले से करीब 10 आपराधिक मामले दर्ज हैं। फिलहाल दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की कार्रवाई की जा रही है, वहीं अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ जारी है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी रोहित दुबे सहित पूरी पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

जैसलमेर में वरिष्ठ पत्रकार के रेस्टोरेंट पर कार्रवाई के खिलाफ जयपुर में 8वें दिन भी पत्रकारों का धरना जारी

क्यूँ न लिखूँ सच / जयपुर– जैसलमेर जिले में लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर प्रशासनिक निरंकुशता को लेकर पत्रकार संगठन आईएफडब्ल्यूजे का आज 8वें दिन भी धरना जारी हैं। एक प्रशासनिक अधिकारी के काले कारनामों को छुपाने के लिए सरकार के भी हठधर्मिता पर उतर आई हैं। वार्ता करने की पहल तक नहीं कर रही हैं। जिसे लेकर आज धरना स्थल पर संगठन आईएफडब्ल्यूजे के प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र सिंह ने सरकार पर तीखा हमला सकारात्मक बातचीत करने हेतु पहले दिन से ही तैयार हैं पर शायद सरकार खुद ने कहा कि धरना शुरू होने के बाद सरकार ने जैसलमेर कलेक्टर का तबादला रहते हुए जिस तरह के कारनामे किए हैं, उसके अनुसार उन्हें सजा दी जानी में महत्वपूर्ण पोस्टिंग देकर सरकार ने अपनी ही जीरो टॉलरेंस की नीति की के विरुद्ध प्रदेशभर के पत्रकारों में जबरदस्त आक्रोश हैं, जिसके विरुद्ध जैसलमेर विरुद्ध पर्यावरण प्रेमी सड़क पर उतर आए, उस कलेक्टर में आखिर कौनसी आ रही हैं, आमजन को नहीं उपेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि वे वर्ष 2004 से अनुमति के साथ 'स्वाद रेस्टोरेंट' का संचालन कर रहे हैं। जिसका दिसंबर रखा था। उसके बावजूद जिला कलेक्टर ने विधि विरुद्ध जाकर रेस्टोरेंट को द्वेषपूर्ण कार्रवाई की हैं, जिसका सीधा अर्थ हैं कि उन्होंने एक पत्रकार की मानसिक और आर्थिक दबाव बनाने का ही काम किया हैं। ढ्रस प्रताप सिंह कंपनियों को फायदा पहुंचाने हेतु नियम विरुद्ध भू-आवंटन किए। जिसे लेकर उजागर किया गया तो उसके प्रतिशोध में पत्रकार की आजीविका को नष्ट किया ने करीब 1 करोड़ से भी अधिक का आर्थिक नुकसान पहुंचाया हैं। जिसकी करने की मांग को लेकर ही पूरे प्रदेश के पत्रकार 29 मार्च को जयपुर पहुंचे और जिसको आज 7 दिन का समय हो गया, लेकिन सरकार ने अभी वार्ता करने की पत्रकार जगत में भारी आक्रोश हैं। उपेन्द्र सिंह राठौड़ दिल्ली में देश भर के राष्ट्रीय वाली बैठक में भाग लेने जा रहे हैं, वहां संगठन प्रधानमंत्री कार्यालय को इस प्रदर्शन को लगातार चलाने हेतु संगठन ने प्रतिदिन एक जिले को जिम्मेदारी

जिसके परिणाम स्वरूप सरकार अभी तक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। पत्रकार करते हुए कहा कि संगठन सरकार से नहीं चाहती कि ये धरना समाप्त हो। राठौड़ तो कर दिया। लेकिन कलेक्टर ने जैसलमेर चाहिए थी, उसकी जगह उन्हें वित्त विभाग खुलेआम धज्जियां उड़ाई हैं। जिस कलेक्टर की आमजनता में गजब का गुस्सा हैं, जिसके खासियत हैं, जो सिर्फ सरकार को ही नजर जैसलमेर स्थित डेजर्ट क्लब में विधिवत 2025 तक का किराया अग्रिम जमा करा सीज करने और उसे जमींदोज करने की जो आजीविका को तबाह कर पत्रकार पर एक नाथावत ने जैसलमेर कलेक्टर रहते हुए निजी जब खबरें प्रकाशित की गई और मामले को गया। स्वाद रेस्टोरेंट को तोड़कर कलेक्टर भरपाई की मांग, उस कलेक्टर को निलंबित शहीद स्मारक पर ये धरना प्रदर्शन शुरू किया। पहल तक नहीं की है, जिसके कारण पूरे पदाधिकारियों व प्रदेशाध्यक्षों के साथ होने गंभीर विषय से अवगत करवाएगा?।धरना सौंपी है जिसके क्रम में आज सातवें दिन व कल आठवें दिन की जिम्मेदारी सिरोही जिले के पास है और उनका नेतृत्व जोधपुर सभाग प्रभारा विक्रम सिंह करणात द्वारा किया जा रहा है। धरना स्थल पर आज दो दर्जन पत्रकार साथी उपस्थित हैं।

संक्षिप्त समाचार

जल गंगा संवर्धन अभियान बहु-विभागीय समन्वय से जल संरक्षण की मजबूत पहल

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा जल संकट से निपटने और भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल स्रोतों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान को प्रदेश में व्यापक जनभागीदारी और बहु-विभागीय सहयोग के साथ प्रभावी रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है। इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें शासन के विभिन्न विभागों को एक मंच पर लाकर जल संरक्षण को जनांदोलन का स्वरूप दिया गया है। अभियान में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में तालाब, चेकडैम, जल संरचनाओं का निर्माण एवं मरम्मत कार्य किए जा रहे हैं, वहीं नगरीय विकास विभाग शहरों में नालों की सफाई, रेन वाटर हार्वेस्टिंग और जल स्रोतों के संरक्षण पर कार्य कर रहा है। वन विभाग वन क्षेत्रों में जल संरचनाओं के निर्माण, भूजल संवर्धन और वन्यजीवों के लिए जल उपलब्धता सुनिश्चित करने में जुटा है। इसके साथ ही जल संसाधन विभाग नहरों, स्टॉपडैम, बैराज और सिंचाई संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण व मरम्मत कार्यों के माध्यम से जल प्रबंधन को मजबूत बना रहा है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) द्वारा पेयजल आपूर्ति और जल गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कार्य किए जा रहे हैं। वहीं उद्यानिकी विभाग और किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग सूक्ष्म सिंचाई, जल संरक्षण आधारित खेती और पौधारोपण को बढ़ावा दे रहे हैं।

औद्योगिक क्षेत्र में औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग द्वारा रेन वाटर हार्वेस्टिंग, जल पुनर्चक्रण और पर्यावरणीय मानकों के पालन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पर्यावरण विभाग जल स्रोतों की रक्षा और प्रदूषण नियंत्रण में अपनी भूमिका निभा रहा है। सामाजिक सहभागिता को बढ़ाने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग और उच्च शिक्षा विभाग के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम, रैलियां और शैक्षणिक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। वहीं राजस्व विभाग जल स्रोतों की भूमि का संरक्षण और अतिक्रमण हटाने में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। जन अभियान परिषद् द्वारा जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जा रहा है, जबकि संस्कृति विभाग जल संरक्षण को सांस्कृतिक आयोजनों से जोड़कर जन-जन तक संदेश पहुंचा रहा है। जनसंपर्क विभाग अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से लोगों को जोड़ने का कार्य कर रहा है। प्रशासन के अनुसार, जल गंगा संवर्धन अभियान केवल एक योजना नहीं, बल्कि एक सामूहिक प्रयास है, जिसमें शासन, प्रशासन और आमजन मिलकर जल संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बना रहे हैं। यह समन्वित पहल न केवल वर्तमान जल संकट का समाधान प्रस्तुत करती है, बल्कि सतत विकास और पर्यावरण संतुलन की दिशा में भी एक मजबूत कदम साबित हो रही है।

विदिशा जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत चिन्हित विभागों की तय कार्य योजना जिसे मूर्तरूप देने में होड़ लगी है।

जल गंगा संवर्धन अभियान को मिला जनसहयोग, जल संरक्षण कार्यों में तेजी पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में जल संरक्षण और संवर्धन के कार्यों को व्यापक स्तर पर गति दी जा रही है। अभियान के तहत विभिन्न योजनाओं और जनभागीदारी से जल स्रोतों के संरक्षण, पुनर्जीवन और नए निर्माण कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खेत तालाब निर्माण में 1399 का लक्ष्य पूर्ण कर लिया गया है, वहीं डगवेल रिचार्ज के 596 कार्य भी पूरे किए जा चुके हैं। अमृत सरोवर के तहत सभी 8 कार्यों को पूर्ण कर जिले ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। मनरेगा के अंतर्गत पूर्व से प्रगतिरत जल संरक्षण कार्यों में भी तेजी लाई गई है, जिनमें 3119 में से 3199 कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत जल संरक्षण एवं संवर्धन के 54 कार्यों में से 43 पूरे हो चुके हैं, जबकि शेष कार्य प्रगति पर हैं। वहीं पीएमकेएसवाय 1.0 के तहत पूर्व में निर्मित चेकडैम और स्टॉपडैम की मरम्मत का कार्य भी शुरू किया गया है। अभियान के अंतर्गत एक बगिया मां के नाम परियोजना में पौधरोपण के लिए गड्ढा तैयार करने का कार्य बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। साथ ही बावड़ियों की सफाई, मरम्मत एवं नवीनीकरण, नदियों के घाटों की सफाई, तथा तालाबों और चेकडैम का डी-सिल्टिंग जैसे कार्य जनसहयोग से कराए जा रहे हैं। विशेष रूप से बेतवा नदी के पुनर्जीवन की दिशा में कार्ययोजना तैयार की जा रही है, जो क्षेत्रीय जल स्तर सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आंगनबाड़ियों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण भी किया जा रहा है, जिससे वर्षा जल का संरक्षण सुनिश्चित हो सके। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण क्षेत्रों में नालों और नालियों के माध्यम से बहने वाले अपशिष्ट जल के प्रबंधन हेतु संरचनाएं विकसित की जा रही हैं। सार्वजनिक कुओं की व्यवस्था, जल संरचनाओं का राजस्व अभिलेख में दर्जीकरण, तथा जल संचय-जन भागीदारी पोर्टल पर पंजीयन जैसे कार्य भी अभियान का हिस्सा हैं। प्रशासन द्वारा बताया गया कि जनभागीदारी इस अभियान की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी है। आम नागरिकों, किसानों और स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से जल संरक्षण के कार्यों में उल्लेखनीय प्रगति हो रही है। कुल मिलाकर, जल गंगा संवर्धन अभियान जिले में जल संकट से निपटने की दिशा में एक सशक्त पहल साबित हो रहा है, जो भविष्य में जल उपलब्धता और पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। जल गंगा संवर्धन अभियान नगरीय निकायों में जल संरक्षण, स्वच्छता और हरित विकास के कार्यों को मिली

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
OWN STATE
www.knlslive.com
06 April 2026

फर्रुखाबाद में 7 अलग-अलग मामलों में कोर्ट ऑर्डर ना मानने पर कार्रवाई, 24 घंटे में गिरफ्तारी के आदेश

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / फरुखाबाद/ यूपी के फर्रुखाबाद में कोर्ट के आदेश की अवहेलना करने पर कोतवाली को 7 दिन की जेल की सजा सुनाई गई। अदालत ने मामले को बेहद गंभीर मानते हुए कोतवाल के खिलाफ गैर जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) भी जारी किया है। कोर्ट ने एसपी को आदेश जारी करते हुए अगले 24 घंटे में कोतवाली को कोर्ट के समक्ष उपस्थित करने का आदेश दिया है। यह कार्रवाई थाना कोतवाली फर्रुखाबाद में दर्ज जानलेवा हमले, गोवध अधिनियम और धोखाधड़ी सहित सात अलग-अलग मामलों के संदर्भ में की गई। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि न्यायिक आदेशों का पालन सुनिश्चित करना पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की कानूनी जिम्मेदारी है। आदेशों की बार-बार अनदेखी लोकसेवक के कर्तव्यों के विपरीत है और इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। शहर कोतवाली में प्रभारी पद पर तैनात कोतवाल दर्शन सिंह सोलंकी के खिलाफ अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने न्यायालय की अवहेलना का दोषी मानते हुए सात दिन के साधारण कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी करते हुए पुलिस अधीक्षक को 6 अप्रैल तक उन्हें गिरफ्तार कर अदालत में पेश करने का आदेश दिया गया है। मामला थाना कोतवाली फर्रुखाबाद में दर्ज जानलेवा हमले, गोवध अधिनियम और धोखाधड़ी सहित सात अलग-अलग मामलों से जुड़ा है। इन मामलों में न्यायालय ने आरोपियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट तथा धारा 82/83 के तहत कुर्की की कार्रवाई के आदेश दिए थे। शहर कोतवाल को इन वारंटों को तामील कर रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत करनी थी, लेकिन उन्होंने आदेशों का पालन नहीं किया। इसी को न्यायालय ने गंभीर लापरवाही माना। बार-बार नोटिस के बावजूद कोर्ट में नहीं हुए पेश अदालत ने 1 अप्रैल को नोटिस जारी कर कोतवाल को 3 अप्रैल को उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया था। नोटिस तामील होने के बावजूद वे न्यायालय में उपस्थित नहीं हुए और न ही कोई जवाब दाखिल किया। इसके बाद बीएनएसएस की धारा 388 के तहत उन्हें 3 अप्रैल दोपहर 3-30 बजे तक अंतिम अवसर दिया गया, लेकिन इस बार भी वे अदालत में पेश नहीं हुए।

मिशन शक्ति फेज 5.0: बहराइच के मटेरा में पुलिस ने महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच /अमरीक सिंह/ मिशन शक्ति फेज 5.0 , एंटी रोमियो, अभियान के तहत मिशन शक्ति टीम द्वारा ग्राम कुरवारी माफ़ी/गौरा धनौली थाना मटेरा जनपद बहराइच मे बहु बेटी जागरूकता कार्यक्रम कर महिलाओ एवं लड़कियों को मिशन शक्ति, यातायात तथा साइबर अपराध के बारे मे जागरूक किया गया तथा उच्चाधिकारी द्वारा दिए गये आदेशो निर्देशों के क्रम मे तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजना के बारे मे व बालिकाओं से उनकी समस्याओं को मद्देनजर रखते हुए महिलाओं पर हो रहे अपराध के प्रति उन्हें जागरूक किया गया... महिला संबंधी घटित अपराध की शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर,1090,1098 ,1076, 112 ,181, 108, व साइबर संबंधित अपराध के शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 1930 की जानकारी दी गई तथा सरकारी योजनाएं *जैसे कन्या सुमंगला योजना,मातृ वंदना योजना,वृद्धा पेंशन योजना,आयुष्मान प्रधानमंत्री,विधवा पेंशन योजना उज्जवला योजना व बालिकाओं से उनकी समस्याओं के बारे में पूछताछ करते हुए जानकारी दी गयी मिशन शक्ति टीम उ0नि0श्री अजीत मौर्या ,हेड कांस्टेबल दिग्विजय सिंह , हेड कांस्टेबल राजेंद्र मोदनवाल कांस्टेबल अमित मद्धेशिया म0 आ0 ज्ञानमती यादव थाना मटेरा जनपद बहराइच

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद बोले- जनसंख्या बढ़ाना इतना ही जरूरी है तो मोहन भागवत खुद विवाह कर लें

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती रविवार सुबह बरेली पहुंचे। उन्होंने यहां देवभूमि इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में प्रेसवार्ता की। इस दौरान उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पर तीखा हमला बोला।शंकराचार्य ने यूपी सरकार पर भी निशाना साधाशंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के बयान पर तीखा कटाक्ष किया है। आरएसएस प्रमुख के तीन बच्चे पैदा करने वाले बयान से जुड़े सवाल पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि मोहन भागवत और उनके प्रचारक आगे आएं। विवाह करें और बच्चे पैदा कर जनसंख्या बढ़ाएं।शंकराचार्य ने कहा कि एक तरफ सरकार कह रही है कि जनसंख्या का विस्फोट हो रहा है, उसे रोका जाए। दूसरी तरफ, ये लोग जनसंख्या बढ़ाने की बात करते हैं। अगर जनसंख्या बढ़ाना ही जरूरी है तो उन्हें खुद विवाह करके उदाहरण पेश करना चाहिए। जो चीज खुद नहीं कर सकते उसके लिए दूसरों पर दबाव नहीं बना सकते हैं। अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि उन पर लगाए गए यौन शोषण के आरोप सोची समझी साजिश है। कुछ लोग उनकी छवि धूमिल करना चाहते हैं। योगी सरकार पर साधा निशाना - शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती रविवार को बरेली पहुंचे। उन्होंने प्रेसवार्ता में कहा कि उत्तर प्रदेश में गो हत्या के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। सनातन प्रेमियों को उम्मीद थी कि योगी सरकार बनने के बाद को गो हत्या में कमी आएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अन्य राज्यों की अपेक्षा उत्तर प्रदेश में इन मामलों में लगातार वृद्धि हुई है। मुख्यमंत्री योगी के हस्ताक्षर से प्रदेशभर में बूचड़खाने चल रहे हैं, जिन्हें रोकने की बात उन्होंने कही थी। विदेश के माल में गो मांस खुलेआम बिक रहा है। यह उत्तर प्रदेश के लिए ये शर्मसार करने वाली बात है। संत समाज लोक कल्याण के लिए है ना कि राजनीति में आने के लिए। उन्होंने कहा कि राजनीति के लिए राजनीति की शपथ और धर्म के लिए धर्म की शपथ लेनी होती है, लेकिन दोनों शपथ एक साथ नहीं ले जा सकती। एक संन्यासी किसी प्रदेश सरकार का नौकर नहीं हो सकता। आगामी विधानसभा चुनाव पर अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि जो लोग प्रदेश में गो हत्या को बंद कराएंगे, सनातन प्रेमियों को उन्हीं की सरकार चुननी चाहिए। एक मई से करेंगे प्रदेश की सभी विधानसभा का भ्रमण - अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि प्रदेश में आगामी चुनाव को देखते हुए वह एक मई से प्रदेश की सभी विधानसभा का भ्रमण कर लोगों को जागरूक करेंगे और बताएंगे कि प्रदेश में ऐसी सरकार चुनें जो गो हत्या पर बंद कर सके।

विधायक पल्लवी पटेल बोलीं, यूजीसी कानून न लागू होने के लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार

अपना दल कमेरावादी की ओर से रविवार को अकबरपुर के एक गेस्ट हाउस में मंडलीय समता सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें सिराथू विधायक डॉ. पल्लवी पटेल, राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. कृष्णा पटेल समेत अन्य लोग शामिल हुए। कार्यक्रम के बाद डॉ. पल्लवी पटेल ने मीडिया से मुखातिब होते हुए केंद्र सरकार पर यूजीसी, जातिगत जनगणना समेत अन्य मुद्दों पर जमकर निशाना साधा।उन्होंने कहा कि यूजीसी 2026 पर रोक लगने के लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है। जिम्मेदारी केंद्र की सरकार की थी कि यूजीसी को इतना लचर नहीं बनाना था। सुप्रीम कोर्ट में सरकारी वकील ही इस विनियम को डिफेंस नहीं कर पाता है। केंद्र सरकार ने देश को एलपीजी और डीजल-पेट्रोल की लाइन में खड़ा कर दिया है। खराब विदेश नीतियों के कारण देश की जनता लाइन में खड़ी है।भाजपा ने सत्ता में आने के बाद लोगों को राशन से लेकर खाता खुलवाने, नोटबंदी की लाइनों में खड़ा करवाने का काम किया है। भाजपा को जब लगता है किसी एक मुद्दे पर घिर रहे हैं तो देश की जनता व राजनीतिक दलों को दूसरे मुद्दों में उलझाने का काम कर रहे हैं। विपक्ष की जिम्मेदारी है कि भाजपा की सोच और नियत की जानकारी जनता के बीच में जाकर दें। वर्ष 2027 का चुनाव प्रदेश की सत्ता को बदलने वाला है। उत्तर प्रदेश देश की राजनीति को प्रभावित करने वाला है। जनता के हित के मुद्दों को सरकार के सामने उठाने का काम हमेशा करते रहेंगे। एसआईआर पर कहा कि यह केंद्र सरकार का षड्यंत्र रहा है। चुनाव आयोग सिर्फ मोहरा मात्र है। भाजपा 400 सीटों का आंकड़ा लेकर मैदान पर उतरी थी लेकिन देश की सजग जनता ने उन्हें 293 सीट पर रोकने का काम किया था। कहा कि लोगों का वोट का अधिकार छीनने के लिए एसआईआर का जुमला छोड़ा गया है। जब सरकार खिसक रही है तो मतदाता पात्र-अपात्र के रूप में घुसपैठिए दिखाई देने लगे हैं। जातिगत जनगणना कब तक होगी और इसके आंकड़ों को सामाजिक न्याय के लिए कैसे प्रयोग में लाया जाएगा यह आज तक स्पष्ट नहीं कर पाई है। अपना दल सड़क से लेकर सदन तक जातिगत जनगणना की लड़ाई लड़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

दो घर व 40 बीघा गेहूं की खडी फसल जलकर राख

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती जमुनहा तहसील क्षेत्र में आग की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। तीन स्थानों पर लगी आग से दो घर व 40 बीघा गेहूं की फसल जल गई। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। जमुनहा तहसील की ग्राम पंचायत जोगिया में अज्ञात कारणों से आग लग गई। जिसमें प्रेम कुमार वर्मा पुत्र मनरंगी प्रसाद वर्मा और बालेश्वर प्रसाद आर्य पुत्र सुक्खा के फूस के घर जल गए। दोनों घरों में रखे अनाज, कपड़े व अन्य सामान पूरी तरह से जल कर राख हो गए। लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। इस पर कर्मियों ने मौके पर पहुंच कर आग पर कानू पाया। लेखपाल सुनील मिश्रा ने पीड़ित परिवार से मिलकर जिला प्रशासन से आर्थिक मदद दिलाने का आश्वासन दिया।

भौंती पुलिस की तत्परता: 72 घंटे में अपहृत नाबालिग बालिका सकुशल बरामद, परिजनों को सौंपा

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। शिवपुरी,भौंती थाना पुलिस ने सराहनीय कार्यवाही करते हुए अपहृत नाबालिग बालिका को महज 72 घंटे के भीतर सुरक्षित दस्तयाब कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। इस त्वरित कार्रवाई से पुलिस की सक्रियता और संवेदनशीलता एक बार फिर सामने आई है। जानकारी के अनुसार, 2 अप्रैल 2026 को एक फरियादी द्वारा अपनी नाबालिग पुत्री के लापता होने की रिपोर्ट थाना भौंती में दर्ज कराई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम गठित कर लगातार प्रयास किए गए। तकनीकी संसाधनों और सतत खोजबीन के चलते पुलिस ने बालिका को 72 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर लिया और परिजनों को सौंप दिया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी घनश्याम भदौरिया सहित पूरी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समाज को सुरक्षित बनाया जा सके।

डॉ. आमिर सरकार बने नमो संघ अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष, समर्थकों में उत्साह

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने वाले प्रतिष्ठित संगठन नमो संघ ने अपनी संगठनात्मक संरचना में बड़ा विस्तार करते हुए डॉ. आमिर सरकार को अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस घोषणा के बाद से ही राजनीतिक गलियारों और सामाजिक क्षेत्रों में बधाइयों का तांता लगा हुआ है। डॉ. सरकार की यह नियुक्ति न केवल संगठन में उनके बढ़ते कद को दर्शाती है, बल्कि आगामी समय में अल्पसंख्यक समुदाय के बीच नेशन फर्स्ट की विचारधारा को मजबूत करने के संकेत भी देती है। वरिष्ठ नेतृत्व का जताया आभार अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए डॉ. आमिर सरकार ने कहा कि यह उनके लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा का एक बड़ा अवसर है। उन्होंने संगठन के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा मैं नमो संघ के प्रदेश अध्यक्ष राहुल यादव एवं संगठन मंत्री भूपेंद्र चौहान का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने मुझ पर यह विश्वास जताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र को धरातल पर उतारना ही मेरी भारतीय नमो संघ मध्यप्रदेश देशभर से मिल रही शुभकामनाएँ डॉ. आमिर सरकार को मिली इस नई जिम्मेदारी पर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से समर्थकों और गणमान्य नागरिकों ने उन्हें बधाई दी है। समर्थकों का मानना है कि डॉ. सरकार के नेतृत्व में नमो संघ का अल्पसंख्यक मोर्चा नए आयाम स्थापित करेगा और संगठन की नीतियों को नई ऊर्जा मिलेगी। प्राथमिकता होगी। अनुभव और निष्ठा का संगम डॉ. आमिर सरकार का राजनीतिक सफर समर्पण और अनुशासन का परिचायक रहा है। वे लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चा में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उनकी विशेषज्ञता और सांगठनिक क्षमता को इन बिंदुओं से समझा जा सकता है। वर्तमान दायित्व वे वर्तमान में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, विदिशा के जिला महामंत्री के रूप में कार्यरत हैं।

If you don't get your car or bike serviced on time, you should definitely get the engine oil refilled. Otherwise, your car's engine could seize.

If you don't get your vehicle serviced on time, you should definitely get the engine oil refilled. Otherwise, your car's engine could seize. In today's world, people prefer to live in comfort. For example, they prefer to travel in cars to avoid heat and rain. However, if you use any vehicle, such as a bike, scooter, car, etc., but you don't get it serviced on time or for a long time, it becomes essential for you to get this done. Otherwise, your car's engine could even seize. Let's explore which repairs are necessary... Why is servicing necessary? The car should not break down prematurely, so that it runs smoothly, and if there are any defects in the car, they can be fixed. If you don't get it serviced, what repairs should you get done? Many people have the habit of not getting their vehicles serviced on time. Many people are so late that they don't get the vehicle serviced for a long time and keep driving. But did you know that doing so can cause your vehicle's engine to seize? When the vehicle is serviced, new engine oil is put in the vehicle, which is essential for the vehicle. However, as the vehicle moves or even remains parked, the engine oil starts getting darker and starts burning or drying up. In such a situation, if the engine oil gets exhausted, the engine's engine can seize. Therefore, even if you are not getting the vehicle serviced, at least get the engine oil changed on time to prevent the engine from seizing. What things should you keep in mind? Always get the engine oil changed on time. Check for any leakage, otherwise the engine oil may be leaky. If the engine oil is getting leaky, then immediately go to a mechanic.

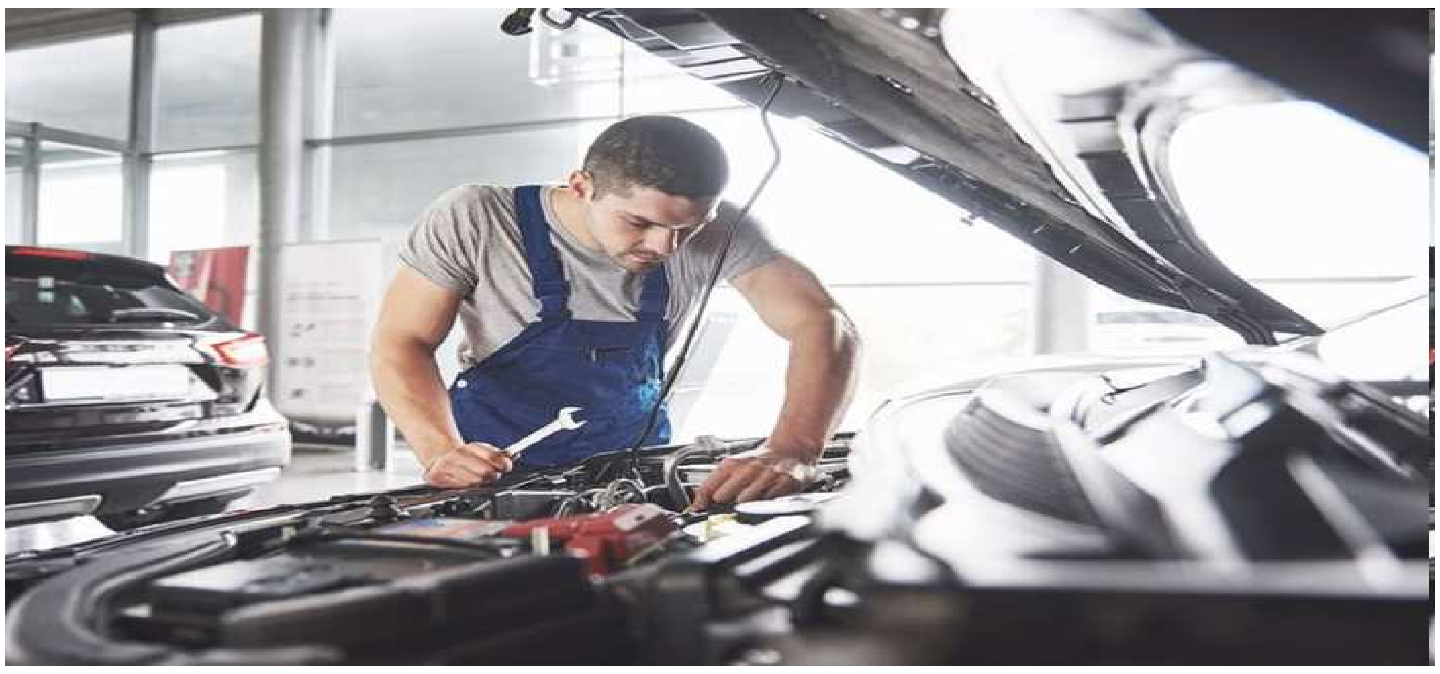

Lack of sleep is the root cause of thousands of diseases. Are you getting enough sleep? Find out how.

Adults are advised to get 6-8 hours of uninterrupted sleep per night. If, for some reason, you miss even one night of sleep, you may experience problems like fatigue, lethargy, irritability, and headaches the next day. Maintaining a healthy lifestyle and diet is just as important for maintaining a healthy body as getting 7-9 hours of quality sleep every night. Sleep is not just a time for rest, it also serves as a repair process for the body. If, for some reason, you miss even one night of sleep, you may experience problems like fatigue, lethargy, irritability, and headaches the next day. If this sleep problem persists frequently, it can lead to increased blood pressure and other health problems. People who lack sleep or suffer from insomnia are more likely to experience adverse effects. If you're struggling with insomnia or poor sleep quality, consult a doctor for a proper diagnosis and treatment. Let's explore the symptoms of sleep deprivation. Lack of sleep can make you sick: Studies show that chronic sleep deprivation increases the risk of high blood pressure, diabetes, obesity, depression, and heart disease. During sleep, the body repairs cells, removes toxins, and organizes memory. People who don't get a good night's sleep may experience difficulty making decisions, irritability, and daytime distraction. Sleep disorders often lead to daytime fatigue, irregular breathing, or a lack of concentration. Sleep deprivation can also lead to behavioral problems, such as irritability and increased anger. Impact on mental health: Sleep disorders: People with insomnia may be at increased risk of mental health disorders over time. Anxiety and stress are common in such individuals, which can increase the risk of depression. Persistent sleep deprivation can also adversely affect obesity, diabetes, and heart disease, as well as quality of life. Lack of sleep in children can also lead to learning, memory, and personality changes. These symptoms can help determine if you're getting enough sleep. Sleep deprivation can cause both physical and mental symptoms. Common physical symptoms include persistent fatigue, headaches, eye irritation, muscle aches, and frequent illness. Mental symptoms include irritability, mood swings, anxiety, sadness, and lack of concentration. Research suggests that people who sleep less are at higher risk for depression and anxiety. If you experience two or more of these symptoms, you may have a sleep disorder: frequent drowsiness while driving; falling asleep within a short time while watching TV or reading; difficulty concentrating on work; and decreased work performance. Others often say you look sleepy. Memory loss. Difficulty managing your emotions. Extreme daytime sleepiness.

How to keep your nervous system healthy: what to eat, and what kind of lifestyle to follow? Learn everything here.

A healthy nervous system allows you to easily perform routine tasks, such as walking, feeling, running, and memory. Let's explore what measures you can take to ensure this. All organs play a vital role in maintaining proper functioning. Keeping the nervous system healthy is crucial. Nerves spread throughout the body transmit messages from the brain to determine how to think, understand, move, feel, and react. Everything from heartbeat to digestion, sleep, mood, and memory is controlled by this system. This is why maintaining a healthy nervous system is crucial. Health experts say that as lifestyle and dietary issues continue to increase, it is directly impacting our nervous system. Therefore, people are at increased risk of fatigue, dizziness, tingling, memory loss, depression, and even serious neurological diseases. The question arises: what are the important things to keep the nerves healthy? Doctors say the nervous system controls every function of the body. When we touch something hot and immediately pull our hands back, it's a rapid nervous system response. Neurons are also activated when we learn something new, remember it, or express emotions. Studies have found that conditions like vitamin B12 deficiency, diabetes, and high blood pressure are exacerbating problems for the nerves. Furthermore, cortisol, the hormone released during prolonged stress, can also damage brain cells. The risk of neurodegenerative diseases increases with age, so early care is essential. What deficiencies contribute to the problem? You can maintain a healthy nervous system by including certain key vitamins and nutrients in your diet. Amino acids help repair and maintain nerve cells. They also contribute to the production of thyroid hormones, which are essential for nerve development and function. Selenium deficiency can lead to neurological problems like Alzheimer's and Parkinson's. Zinc is essential for nerve cell growth and function. Zinc deficiency can cause loss of taste, smell, and touch. To maintain a healthy nervous system, you can consume vitamins D, B12, and magnesium. These help maintain nerve health. How to maintain a healthy nervous system? Improving lifestyle is crucial for maintaining a healthy nervous system. Health experts say that regular exercise is most beneficial. It increases blood circulation in the brain and balances neurotransmitters. Getting adequate sleep helps the brain repair itself and eliminate toxins. Meditation and pranayama reduce stress, thereby protecting nerve cells. Smoking and excessive alcohol should be avoided, as these can damage nerves.

Rajpal Yadav shared his jail days with Farah Khan, the director said, "It's a pleasure to see you out."

Rajpal Yadav spent some time in Delhi's Tihar Jail in connection with a check bounce case. His case is still in court. Recently, Rajpal Yadav appeared in Farah Khan's cooking vlog, sharing his experience in jail. Rajpal Yadav and Farah Khan have shared a long history in Bollywood, having worked together in several films. Recently, Farah Khan met Rajpal Yadav for her cooking vlog, where they cooked together. During the interview, Rajpal Yadav shared many things about his career and also expressed his feelings about his experience in jail due to the check bounce case. Find out what Rajpal Yadav said. How was the jail experience for Rajpal? Farah Khan asked Rajpal Yadav about his jail experience. The actor replied, "I met some fans there too." But the rules and discipline are the same for everyone there.' Rajpal's eyes were moist as he said this. Seeing this, Farah Khan said, 'I'm happy to see you out and about. That's what makes me the happiest.' The two had worked together on this film. In the vlog video, Farah Khan described Rajpal as like a brother to her. When she was a choreographer, Rajpal Yadav had the opportunity to work with her on a song in the film 'Mast.' Farah and Rajpal laughed a lot remembering that experience. Rajpal Yadav's next film will be released soon. Rajpal Yadav's upcoming film is 'Bhoot Bangla,' in which he will be seen alongside Akshay Kumar. Directed by Priyadarshan, this horror-comedy stars Tabu, Paresh Rawal, Vamika Gabbi, and Asrani in pivotal roles. 'Bhoot Bangla' will release in theaters on April 10.

Honey Singh's Pune concert postponed, revealed on Instagram; reason given

Honey Singh has postponed his much-awaited concert in Pune. Originally scheduled for April 4th, it has now been postponed. Find out why. Honey Singh, popularly known as the "Bluetooth King," has decided to postpone his Pune concert. He shared the news on his Instagram and also provided new dates for his show. Reason for postponement: Honey Singh has postponed his much-awaited concert, which was scheduled for April 4th. He cited bad weather as the reason. The weather department had warned of heavy rain and thunderstorms on that day, which prompted the decision. The rapper himself announced this and stated that the show will now take place on April 18th. He also assured fans that all previously purchased tickets will remain valid for the new date. The concert will now be held on the 18th. Honey Singh wrote on Instagram that this decision was made in keeping with government advisories and that the safety of fans is paramount. He said, "The show was completely sold out, but due to bad weather, we've had to postpone it. I'll be back in Pune in two weeks." This Pune concert is part of his "My Story - India Chapter" tour. During this tour, he has given impressive performances in cities like Delhi and Mumbai, and he's also scheduled to perform in Kolkata. Known for hit songs like "Brown Rang," "Lungi Dance," "Blue Eyes," and "Desi Kalakaar," Honey Singh remains a prominent name in Indian pop and hip-hop. Through this tour, he's striving to elevate his music to a greater level.

Abhishek Bachchan's blunt response to comparisons to his wife Aishwarya Rai's career: "You have to earn your own success."

Abhishek Bachchan and Aishwarya Rai have been married for almost 19 years. They are an iconic Bollywood couple. Recently, Abhishek Bachchan shared his perspective on comparisons to his wife Aishwarya Rai's career. Abhishek Bachchan's Bollywood career spans 26 years. He has played a variety of roles throughout his career. However, he comes from a family with three renowned stars. His father, Amitabh Bachchan, is a megastar of the century. His mother, Jaya Bachchan, is a renowned actress. His wife, Aishwarya, is a Miss World and one of Bollywood's most popular actresses. Abhishek Bachchan's career is often compared to his wife's. Recently, Abhishek Bachchan spoke out again on this issue. What is Abhishek Bachchan's perspective on comparisons? In Lily Singh's podcast, Abhishek Bachchan was asked that some people feel insecure after marriage when they live with a more successful partner. Abhishek Bachchan says, "I'm not the kind of person who wants to win just because someone else gave up. I've been taught since childhood that you have to earn your own victory." He adds, "That's my mindset. I don't want to be in a partnership or marriage where my wife has to stop doing something because I want to feel more masculine. Thankfully, my wife is also someone who doesn't think that way." What are Abhishek Bachchan's upcoming films? Last year, Abhishek Bachchan played unconventional characters in the films "I Want to Talk" and "Kalidhar Lapata." This year, he will play a negative role in Shah Rukh Khan's film "King." The film will be released this Christmas.